RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-149 जयपुर, गुरुवार, 27 नवम्बर 2025 मूल्य-4 रुपये

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली

2030 में अहमदाबाद में होंगे गेम्स, ओलिंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत होगी

नई दिल्ली

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिल गई है। बुधवार को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे।

20 साल बाद भारत में कोई मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट होगा

20 साल के बाद भारत में कोई मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट होने जा रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया गया था। डीडब्ल्यूसी के अलावा, भारत 1951 और 1982 एशियन गेम्स की मेजबानी भी कर चुका है। 2003 में हैदराबाद में एफ्रो-एशियन कप का आयोजन भी हुआ था।

ओलिंपिक-2036 की दावेदारी मजबूत होगी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने से ओलिंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी मजबूत होगी। भारत 2036 के ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की से इसका ऐलान किया था। पिछले साल नवंबर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

इंडिया ने पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स में 61 मेडल जीते

2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 72 देशों के 5000 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। भारत ने कुल 61 मेडल जीते 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज। इनमें से 30 मेडल सिर्फ कुश्ती, वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से आए थे। महिला क्रिकेट टीम ने भी सिल्वर मेडल जीता था।

कॉमनवेल्थ गेम्स का इतिहास

कॉमनवेल्थ गेम्स का इतिहास भी दिलचस्प है। यह एक मल्टी-स्पोर्ट्स अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें ब्रिटिश शासन वाले देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। फिलहाल इसमें 54 सदस्य देश हैं। इन गेम्स की शुरुआत 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर से हुई थी। पहले इसे ब्रिटिश एम्पायर गेम्स कहा जाता था। 1978 से इसका नाम 'कॉमनवेल्थ गेम्स' हो गया। 2030 के आयोजन में कॉमनवेल्थ गेम्स को 100 साल पूरे होंगे।

74 राष्ट्रमंडल सदस्यों देशों के प्रतिनिधियों ने किया अनुमोदन

राष्ट्रमंडल खेल महासभा में 74 राष्ट्रमंडल सदस्य देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भारत की 2030 की दावेदारी का अनुमोदन किया। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉक्टर डोनाल्ड रुकारे ने कहा, भारत राष्ट्रमंडल खेलों में पैमाना, युवा, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और प्रासंगिकता लेकर आया है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए स्वर्ण युग की शुरुआत है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2034 और उसके बाद के खेलों की मेजबानी के लिए कई देशों की गहरी रुचि है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी अगली शताब्दी की शुरुआत सकारात्मकता के साथ कर रहे हैं।

15 से 17 खेल होंगे शामिल

2010 में दिल्ली में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत ने लगभग 70,000 करोड़ रुपये खर्च किये थे जो 1600 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अनुमान से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने साथ ही यह भी पुष्टि की है कि 2030 के खेलों में 15 से 17 खेल शामिल होंगे। एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा तैराकी, टेबल टेनिस और पैरा टेबल टेनिस, बाउल्स और पैरा बाउल्स, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, कलात्मक जिमनास्टिक्स, नेटबॉल और मुक्केबाजी ऐसे खेल हैं जो निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेल 2030 का हिस्सा होंगे।

दिल्ली में प्रदूषण चिंताजनक, हल निकालना होगा-सीजेआई

बोले-कल डेढ़ घंटा टहला, तबीयत बिगड़ गई

नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की वजह से लोगों की तबीयत बिगड़ रही है और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। सीजेआई सूर्यकांत भी इससे प्रभावित दिखे।

उन्होंने बुधवार को एसआईआर पर चल रही सुनवाई के दौरान इसका जिक्र किया। कहा कि मैं मंगलवार शाम को एक घंटा टहला। प्रदूषण की वजह से मेरी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने कहा, हमें जल्द इसका हल निकालना होगा।

दरअसल हुआ यह कि इलेक्शन कमीशन के एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने सीजेआई से खराब सेहत की वजह से सुनवाई से छूट मांगी। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि यह दिल्ली के मौसम की वजह से हो रहा है। सीजेआई ने कहा कि मैं सिर्फ टहलता हूं। अब यह भी मुश्किल हो रहा है। इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने उम्रदराज वकीलों के भी सुनवाई के लिए कोर्ट में आने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के वकीलों को इन-पर्सन (आमने-सामने) हियरिंग से बाहर रखने की बात पर विचार किया गया है। फैसला जल्द होगा। हालांकि अभी कार्यवाही फिजिकल और वर्चुअल दोनों तरीकों से होती है।

हॉन्गकॉन्ग की 35 मंजिला इमारत में आग, 4 की मौत

हॉन्ग कॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग के उत्तरी ताई पो जिले में बुधवार को एक 35 मंजिला रिहायशी कॉम्प्लेक्स की 3 इमारतों में आग लग गई। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक इस हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 9 लोग घायल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आग कम से कम तीन इमारतों तक फैल गई थी। बीबीसी के मुताबिक कम से कम 13 लोग इमारत के अंदर अब भी फंसे हुए हैं। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे। हान्गकान्ग में निर्माण और मरम्मत कार्यों में बांस की मचान का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। ऐसा माना जा रहा है कि इसकी वजह से आग तेजी से फैली।

हॉन्गकॉन्ग में 17 साल की सबसे बड़ी आग

हान्गकान्ग में नंबर-5 अलार्म वाली आग इससे पहले 2008 में कॉर्नवाल कोर्ट में लगी थी। मोंग कोक के इस कराओके बार और नाइट क्लब में लगी भीषण आग में चार लोगों की मौत हुई थी, जिनमें दो फायरफाइटर भी शामिल थे। इस घटना में 55 लोग घायल हो गए थे।

पाकिस्तान का राम-मंदिर में मोदी के ध्वजारोहण का विरोध भारत बोला- धर्मध्वजा फहराने पर ज्ञान न दे पाकिस्तान

पाक बोला- ये मुस्लिम विरासत मिटाने की कोशिश, अल्पसंख्यकों को दबाया जा रहा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने अयोध्या के राम मंदिर में पीएम मोदी के ध्वजारोहण पर विरोध जताया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यह भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते दबाव और मुस्लिम विरासत को मिटाने की कोशिश का हिस्सा है।

पाकिस्तान ने कहा कि जिस जगह पहले बाबरी मस्जिद थी, वहां अब राम मंदिर बनाया गया है। पाकिस्तान ने दावा किया कि बाबरी मस्जिद कई सदियों पुरानी धार्मिक जगह थी। 6 दिसंबर 1992 को इसे भीड़ ने गिरा दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। उन्होंने सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहराई।

पाकिस्तान ने यूएन से दखल की मांग की

पाकिस्तान ने कहा कि भारत की अदालतों ने बाबरी मस्जिद गिराने के आरोपियों को बरी कर दिया और उसी जमीन पर मंदिर निर्माण की इजाजत दे दी। यह अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का बड़ा उदाहरण है।

पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत की कई ऐतिहासिक मस्जिदें खतरे में हैं। मुसलमानों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तौर से हाशिये पर धकेला जा रहा है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया, नफरत और मुसलमानों पर हमलों पर ध्यान दे। उसने यूएन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कहा कि वे भारत में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ बड़े पैमाने पर हिंसा होती है

भारत पर झूठा आरोप लगाने वाले पाकिस्तान में खुद बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा की जा रही है। अमेरिका की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले और धमकियों की कई घटनाएं हुईं, लेकिन वहां की सरकार ने दोषियों पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की। 2023 में एक चर्च जलाने के आरोप में पकड़े गए 10 लोगों को हाल ही में अदालत ने बरी भी कर दिया। पाकिस्तान में अक्सर हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन शादी के मामले सामने आते रहते हैं, खासकर सिंध और पंजाब में।

इजराइल ने भारत को बधाई दी

भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने एक्स पर भारत को राम मंदिर के ध्वजारोहण की बधाई देते हुई कुछ तस्वीर शेयर कीं। उन्होंने लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण पर भारत को बधाई। यह सभ्यता के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले साल मंदिर निर्माण के दौरान अपनी अयोध्या यात्रा की कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं।

दिल्ली ब्लास्टः सुसाइड बॉम्बर उमर का एक और साथी गिरफ्तार

फरीदाबाद

दिल्ली ब्लास्ट केस में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सुसाइड बॉम्बर आतंकी डॉ. उमर नबी के साथी शोएब को गिरफ्तार किया है। शोएब फरीदाबाद के धौज गांव का रहने वाला है। वह अल-फलाह यूनिवर्सिटी में वार्ड बॉय था। उस पर आरोप है कि उसने आतंकी उमर को सामान लाने और ले जाने में मदद की थी।

शोएब ने ही नूंह में उमर को अपनी साली अफसाना के घर में कमरा किराए पर दिलाया था। 10 नवंबर को दिल्ली ब्लास्ट से पहले 10 दिन उमर इसी घर में रहा था। विस्फोट वाले दिन, वह नूंह से ही दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। दिल्ली ब्लास्ट केस में यह सातवीं गिरफ्तारी है। शोएब को स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 10 दिन की एनआईए हिरासत में सौंप दिया गया। उधर, पहले आरोपी आमिर की भी आज रिमांड खत्म हो रही थी। एनआईए ने उसे भी कोर्ट में पेश किया और 10 दिन की रिमांड की मांगी। मगर, कोर्ट ने केवल 7 दिन की रिमांड मंजूर की।

आदिल ने ही विस्फोटक ठिकानों का भंडाफोड़ किया

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यूपी पुलिस के साथ मिलकर 26 अक्टूबर को सहारनपुर से आदिल अहमद को गिरफ्तार किया था। उसके कश्मीर वाले घर से एके-47 राइफल बरामद हुई। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री मिलने का मामला सामने आया। बताया जा रहा है कि पुलिस की सख्त पूछताछ में आदिल टूट गया। उसने व्हाइट कॉलर टेटर मॉड्यूल में शामिल बाकी डॉक्टरों के नाम उगले। साथ ही फतेहपुरा तगा और धौज गांव में विस्फोटक सामग्री जुटाए जाने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मुजम्मिल शकील को दबोचा।

संविधान दिवस पर संविधान 9 नई भाषाओं में जारी

तीन तलाक खत्म करना ऐतिहासिक कदम-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भोपाल/ग्वालियर

संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया।

राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। ₹स' आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति ने बताया- अनुच्छेद 370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी। दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला,

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और दोनों सदनों के सांसद शामिल रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'तीन तलाक से जुड़ी सामाजिक बुराई को खत्म करके संसद ने हमारी बहनों और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी, जो आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, देश की आर्थिक एकता मजबूत करने के लिए लागू किया गया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से एक ऐसी रुकावट दूर हुई, जो देश की राजनीतिक एकता में बाधा बन रही थी। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का एक नया दौर शुरू करेगा।

राष्ट्रपति ने बताया कि इस साल 7 नवंबर से पूरे देश में 'वंदे मातरम' की रचना के 150 साल पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारा संविधान देश के महान नेताओं ने संविधान सभा में तैयार किया था। यह दस्तावेज उन करोड़ों भारतीयों की सामूहिक बुद्धि, त्याग और सपनों का प्रतीक है, जिन्होंने आजादी के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी और संविधान सभा के विद्वान सदस्यों ने देश की उम्मीदों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से विचार किया। उनके निस्वार्थ योगदान की वजह से आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान बुद्धि, अनुभव, बलिदान और आशाओं से जन्मा है। उन्होंने कहा, 'संविधान की आत्मा ने साबित कर दिया है कि भारत एक था, एक है और हमेशा एक रहेगा।'

अंबेडकर संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'संविधान दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। 26 नवंबर 1949 को इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत का संविधान तैयार करने का काम पूरा किया था। इसी दिन 'हम भारत के लोग' ने अपने संविधान को अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद संविधान सभा ने अंतरिम संसद का काम भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, हमारे संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि इस पावन अवसर पर हम भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद, संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को श्रद्धांजलि देते हैं। उनकी दूरदर्शिता, समझ और कड़ी मेहनत ने हमें ऐसा महान संविधान दिया, जो हर नागरिक को न्याय, समानता, बंधुत्व और सम्मान का अधिकार देता है।

उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय कक्ष वही पवित्र स्थान है, जहां लंबी बहस, चर्चा और विचार-विमर्श के बाद हमारा संविधान तैयार हुआ। यहां जनता की उम्मीदों और सपनों को संविधान में जगह दी गई।

ओम बिड़ला ने बताया कि पिछले सात दशकों में संविधान के मार्गदर्शन में देश ने सामाजिक न्याय, समावेशी विकास, सुशासन और सामाजिक-आर्थिक प्रगति की दिशा में कई नीतियां और कानून बनाए। संविधान के मार्गदर्शन में भारत तेज़ी से परिवर्तन और विकास की ओर बढ़ रहा है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में नूंह का एडवोकेट अरेस्ट

गुरुग्राम कोर्ट में करता प्रैक्टिस, साथी भी हिरासत में

नूंह

हरियाणा के नूंह जिले से केंद्रीय जांच एजेंसी और पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक की पहचान तावडू खंड के गांव खरखड़ी के रहने वाले रिजवान पुत्र जुबेर के रूप में हुई है।

रिजवान एडवोकेट है और गुरुग्राम कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। उसके खिलाफ तावडू सदर थाने में देश विरोधी गतिविधियों के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें रिजवान पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान स्थित कुछ लोगों से ऑनलाइन संपर्क किया और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन किया।

उधर, जांच एजेंसियों ने उसके साथी मुशर्रफ उर्फ परवेज एडवोकेट को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मुशर्रफ मंगलवार देर रात करीब 1 बजे उसके घर से हिरासत में लिया गया। पुलिस की दो गाड़ियों में दर्जन भर के पुलिस कर्मी उसके घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया। मुशर्रफ ने ही गेट खोला। गेट खोलते ही टीम ने उसे हिरासत में ले लिया।

बता दें कि इस साल नूंह (मेवात) क्षेत्र में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यह तीसरी गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले गांव राजाका निवासी अरमान और गांव कांगरका निवासी मोहम्मद तारीफ को जासूसी करने के आरोप में पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अरमान दो बार और तारीफ ने तीन बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। वहीं दोनों आईएसआई के संपर्क में आए।

नया बिहार बनाने में जुटी सरकार, अब हर 40 किमी पर फोरलेन, 4 घंटे में पहुंचेंगे पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार एनडीए की सरकार एक बार फिर बन गई है। काम का नया जोश भी दिखाई दे रहा है। उत्साहित सरकार अब बिहार के लोगों को घर से 40 किलोमीटर की दूरी पर फोर लेन सड़क देने जा रही है। अगले दो साल में राज्य के किसी भी कोने से चार घंटे में पटना पहुंचने की योजना को साकार करने के लिए पथ निर्माण विभाग इस लक्ष्य के साथ काम करेगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विभाग का पदभार ग्रहण करने के साथ यह प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त किया। कहा कि पथ निर्माण विभाग राज्य के समग्र विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता रहेगी कि अगले पांच साल में एक्सप्रेस-वे और रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ससमय धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य किए जाएं। साथ ही प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से घोषित परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम होगा। मंत्री ने कहा कि मॉनिटरिंग प्रणाली को टेक्नोलॉजी के माध्यम से और भी सशक्त करने एवं पथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अगले पांच वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने, पर्यटन स्थलों तक बेहतर मार्ग उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक गलियारों को राज्य के अन्य हिस्सों से जोड़ने की विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम हो। पुराने एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का पुनर्निर्माण कराया जायेगा। अगले पांच सालों में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने, निर्माण गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिजिटल सिस्टम अपनाने तथा सड़क सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद टली यात्रा : इजरायली पीएम नेतन्याहू भारत नहीं आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो सप्ताह पहले हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस वर्ष के अंत में निर्धारित अपनी भारत यात्रा को एक बार फिर स्थगित कर दिया है। यह हमला पिछले एक दशक में राजधानी में हुआ सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए। इजरायली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू अब सुरक्षा आकलन के बाद अगले वर्ष भारत आने की नई तारीख तय करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने 2018 में भारत की अपनी आखिरी आधिकारिक यात्रा की थी। पहले ऐसी रिपोर्टें थीं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसी साल के अंत से पहले भारत दौरे पर आ सकते हैं। लेकिन यह तीसरी बार है जब उन्होंने इसी वर्ष निर्धारित अपनी यात्रा रद्द या स्थगित की है। नेतन्याहू ने पहले ही दिल्ली धमाके पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया- भारत और इजरायल प्राचीन सभ्यताएं हैं जो शाश्वत सत्यों पर खड़ी हैं। आतंक हमारे शहरों पर हमला कर सकता है, लेकिन वह कभी हमारी आत्माओं को हिला नहीं सकता। हमारे राष्ट्रों की रोशनी दुश्मनों के अंधेरे को मात देगी। इससे पहले सितंबर में उनकी भारत यात्रा रद्द की गई थी, जब इजरायल में 17 सितंबर को दोबारा चुनाव कराने की घोषणा के बाद उनके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इससे पहले भी उन्होंने अप्रैल चुनावों के चलते भारत यात्रा स्थगित की थी। दिल्ली हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए जा रहे आकलन पूरे होने के बाद ही नेतन्याहू की भारत यात्रा को लेकर नई तारीख तय की जाएगी।

दिल्ली में जहरीली हवा का कहर : कार्यालय में सिर्फ 50 फीसदी स्टाफ, बाकी वर्क-फ्राम होम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के चलते सरकार और प्रशासन ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी सरकारी और निजी कार्यालय अब केवल 50 फीसदी स्टाफ के साथ काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी वर्क-फ्रॉम-होम मोड में कार्य करेंगे। यह आदेश ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लेवल 3 के तहत लागू किया गया है, जिसे कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट निर्धारित करता है। दिल्ली सरकार ने पहले ही स्कूलों के लिए कई प्रतिबंध लगाए हैं। जब वायु गुणवत्ता अत्यधिक खराब हो, तो बच्चों को खुले में खेलने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक छुट्टियों और खास अवसरों पर सरकारी कार्यालयों में कम अटेंडेंस रहने की संभावना रहती है। उदाहरण के लिए, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व के दिन कार्यालयों में स्टाफ की उपस्थिति कम रहने की उम्मीद जताई गई थी। सीएक्यूएम पूरे एनसीआर क्षेत्र से डेटा एकत्र करता है और औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स व मौसम की स्थिति के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करता है। जीआरएपी लेवल यह तय करता है कि किन परिस्थितियों में शहर कितनी कठिनाइयों का सामना कर सकता है। सर्दियों में यह स्थिति पिछले वर्षों में आम रही है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने ध्वजारोहण समारोह में नहीं बुलाए जाने का आरोप लगाया

लखनऊ (एजेंसी)। फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण से जुड़े समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा कि ''रामलला के दरबार में धर्म ध्वजा स्थापना कार्यक्रम में मुझे न बुलाए जाने का कारण मेरा दलित समाज से होना है। तो यह राम की मर्यादा नहीं, किसी और की संकीर्ण सोच का परिचय है। राम सबके हैं।

मेरी लड़ाई किसी पद या आमंत्रण को लेकर नहीं है, बल्कि सम्मान, बराबरी और संविधान की मर्यादा के लिए है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा था, ''मुझे अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्योता नहीं मिला है। यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा...!''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साधु-संतों, आदिवासियों समेत अनेक श्रद्धालुओं-मेहमानों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया।

वैष्णो देवी कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों में 42 पर मुस्लिमों का चयन

-हिंदू संगठनों ने किया विरोध, प्रशासन ने कहा- प्रक्रिया नीट नियमों के अनुरूप

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में स्थापित माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस के पहले बैच के लिए हुए दाखिलों ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विवाद की वजह बना 50 सीटों में से 42 मुस्लिम छात्रों का चयन हुआ है, जिसके बाद बीजेपी, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। इन विरोधियों का आरोप है कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के वित्तीय सहयोग से चल रहे संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी।

इंस्टीट्यूट ने इस माह की शुरुआत में नीट मेरिट लिस्ट के आधार पर अपने पहले एमबीबीएस बैच के लिए दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुल 50 सीटों में से 85फीसदी सीटें जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए आरक्षित थीं। मेरिट के आधार पर 42 मुस्लिम और 8 हिंदू छात्रों का चयन किया गया। दाखिला सूची जारी होते ही हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने तर्क दिया कि- यह संस्थान माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के धन से चलता है इसलिए हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। बीजेपी ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देते हुए दाखिला सूची रद्द करने की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने एलजी मनोज सिन्हा से मिलकर विरोध दर्ज कराया और कहा- कि श्राइन बोर्ड को मिलने वाला दान हिंदुओं का है, जो हिंदुओं की भलाई के लिए खर्च होना चाहिए हम चाहते हैं कि प्रवेश उन्हीं को मिले जिनकी माता वैष्णो देवी में आस्था है। इस साल की प्रवेश सूची स्वीकार नहीं है, नियम बदलने चाहिए। इन संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि मेडिकल कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया जाए जिससे धर्म आधारित आरक्षण लागू किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विरोध प्रदर्शनों को अनुचित और गैर-संवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रवेश सूची कानूनन और पूरी तरह मेरिट-आधारित है। उमर ने बीजेपी की मांगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आप बिना मेरिट के प्रवेश चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेकर आएं। संविधान में 'सेक्युलर' शब्द है- अगर आपको यह पसंद नहीं, तो इसे हटा दीजिए। उन्होंने कहा- धर्म के आधार पर प्रवेश देना संविधान के मुताबिक संभव नहीं है। क्या पुलिस भी धर्म के आधार पर काम करेगी? अगर अस्पताल और विश्वविद्यालय लोगों से दान लेकर बने हैं, तो क्या आप कहेंगे कि मुसलमान या गैर-हिंदू वहां इलाज न कराएं? उमर अब्दुल्ला ने यह भी पूछा कि यदि प्रशासन बीजेपी नेताओं को भविष्य में धर्म आधारित आरक्षण देने का आश्वासन दे रहा है, तो यह कैसे संभव होगा। अगर ऐसा है, तो फिर माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी और अस्पताल को भी दान-आधारित और धर्म-आधारित संस्थान घोषित कर दें। फिलहाल प्रशासन ने कहा है कि प्रवेश सूची में कोई बदलाव नहीं होगा और प्रक्रिया नीट के नियमों के अनुरूप है।

तिब्बत में चीन के बड़े बांध भारत के लिए खतरा- तिब्बती राष्ट्रपति

लखनऊ (एजेंसी)। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने कहा है कि तिब्बत प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, जो पूरे एशिया में लगभग दो अरब लोगों को जीवन देता है। लेकिन चीन बड़े पैमाने पर बांध निर्माण कर रहा है, जिससे भारत सहित डाउनस्ट्रीम देशों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है।

तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि तिब्बती लिपि भारतीय गुप्त लिपि से विकसित हुई है और नालंदा परंपरा की बौद्ध शिक्षाओं को संरक्षित करने में तिब्बत की ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके अनुसार, ये सांस्कृतिक परंपराएं आज भी प्राचीन भारतीय ज्ञान का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई हैं। तिब्बती राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लंबे समय से मिले समर्थन के लिए भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दलाई लामा और चीन के बीच हुए 17 सूत्रीय समझौते, चीनी सरकार के साथ शांतिपूर्ण संवाद, हजारों तिब्बतियों के भारत में निर्वासन, सिक्योंग से निर्वासित तिब्बती प्रशासन के गठन, दलाई लामा के मार्गदर्शन में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास तथा विभिन्न तिब्बती बस्तियों की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चीन तेज़ी से तिब्बती बच्चों को बोर्डिंग स्कूलों में दाखिल कर रहा है और उन्हें चीनी भाषा अपनाने पर जोर दे रहा है।

शीतकालीन सत्र से पहले 30 नवंबर को केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अगुवाई में होने वाली इस बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे और विधेयकों पर सभी दलों से चर्चा की जाएगी।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मीडिया को बताया कि सरकार विपक्ष के नेताओं के साथ सभी लंबित तथा प्रस्तावित विधेयकों की सूची साझा करेगी। उन्होंने कहा, हम विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के नेताओं को सूची सौंपी जाएगी और उनके सुझावों के अनुरूप रणनीति तय की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया है, कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार द्वारा सुझाई गई तारीखों को मंजूरी दे दी है। कुल 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी। निजी सदस्यों के विधेयक 5 व 19 दिसंबर तथा निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा 12 दिसंबर को तय है। इसी बीच, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 को लेकर उठ रही अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने स्पष्ट किया है कि चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव केवल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से है। इससे चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन या पंजाब और हरियाणा के साथ स्थापित परंपरागत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, कि इस मामले पर अंतिम निर्णय सभी हितधारकों से विस्तृत परामर्श के बाद ही किया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

क्या भाजपा में जाएंगे कांग्रेस नेता डीके? पूर्व मंत्री के बयान से कर्नाटक में मची सियासी हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर बढ़ी रार थमने का नाम नहीं ले रही है। इस सियासी झगड़े का फायदा कोई तीसरा उठा सकता है ऐसी संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस में जारी कलह के बीच भारतीय जनता पार्टी अलर्ट नजर आ रही है। राज्य के पूर्व मंत्री और विधायक रमेश जिरकिहोली ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने साफ किया है कि अगर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो उन्हें अन्य विकल्प तलाशने होंगे। खबर है कि शिवकुमार समर्थक कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए विधायक दिल्ली में डेरा डाले हैं।

जब सवाल किया गया कि क्या शिवकुमार पार्टी बदलेंगे और भाजपा के समर्थन से सरकार बनाएंगे। इसपर जरकिहोली ने कहा कि ऐसी स्थिति की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर ऐसा होता है तो मैं उन्हें अपने नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। यह इस जीवन में तो संभव नहीं है। अगर शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो मुझे अन्य राजनीतिक विकल्पों की ओर देखना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि शिवकुमार के पास कांग्रेस में विधायकों का समर्थन है। अगर यह सच होता, तो वह पहले ही सीएम बन गए होते।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जरकिहोली ने कहा कि मैं भाजपा नेतृत्व से न्यूट्रल रहने की अपील करता हूं। उन्हें इसमें दखल नहीं देना चाहिए, यह दलदल है और हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, पावर शेयरिंग को लेकर नेताओं के बीच कन्फ्यूजन है। कुछ नेता सीएम को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह पद हासिल कर सकें। वो जो चाहते हैं, उन्हें करने दीजिए। हमने अगले चुनावों का इंतजार करना चाहिए और पूर्ण बहुमत के साथ आना चाहिए। यह मेरा निजी विचार है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास अभी जनादेश है। उन्हें उनका कार्यकाल पूरा करने दीजिए। साथ ही बार-बार चुनाव राज्य के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जन विरोधी है और अगर अगले ढाई साल सरकार में रही, तो लोगों की नाराजगी का सामना करेगा। उन्होंने कहा, फिर स्वभाविक रूप से लोग भाजपा को चुनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है। इस बीच, सिद्धारमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अगर वे तय करते हैं कि मुझे (मुख्यमंत्री पद पर) बने रहना चाहिए, तो मैं पद पर बना रहूंगा। आखिरकार, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। शिवकुमार को भी उसे स्वीकार करना चाहिए।

एसआईआर सबसे बड़ा चुनावी घोटाला, देश में 17 बीएलओ की मौत-संजय सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला बता दिया है। संजय सिंह ने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है, जबकि 563 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई और हजारों परिवार भय और उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव डेढ़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की सुनियोजित साजिश? संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय पर सरकार जानबूझकर चुप है और नकली मुद्दों के जरिए जनता को भ्रमित करना चाहती है। आप सांसद

ने कहा कि बीजेपी सरकार की तानाशाही और एसआईआर जैसे चुनावी घोटालों के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी इसे पूरी ताकत से उठाएगी। संजय सिंह ने कहा कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक लाखों वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए है। एक ही विधानसभा में 50-60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि रिटायर्ड आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया है। क्या इसका मतलब है कि वे भी घुसपैठिए हैं? उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त अज्ञानेश कुमार बीजेपी सरकार के एजेंडा को पूरा करने में इतनी तेजी दिखा रहे हैं कि सरकारी कर्मचारी आत्महत्या तक करने लगे हैं। यह प्रशासनिक नहीं, राजनीतिक निर्देश है और इसके लिए चुनाव आयोग सीधा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 17 बीएलओ की मौत पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

महंत के बिगड़े बोल कहा- कलाम को बताया आतंकी अफजल गुरु का हमदर्द

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी एक बार फिर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइलमैन कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक अब्दुल कलाम पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। यति ने ना सिर्फ उन्हें अफजल गुरु से हमदर्दी रखने का आरोप लगाया बल्कि उन्हें जिहाद करने वाला तक बता डाला। हैरानी की बात यह है कि यति ने यह सब पुलिसकर्मियों के सामने कहा जो उनके आगे हाथ जोड़ते रहे।

खुद को रोकने वाले पुलिसकर्मियों के सामने यति नरसिंहानंद ने कहा कि वह (अब्दुल कलाम) तीनों सेनाओं का अध्यक्ष होकर जिहाद कर सकता है और हमारा छोटा सा सिपाही भी धर्म के लिए कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि सिस्टम हमारा ऐसा ही है। इन टिप्पणियों के बावजूद वहां खड़े पुलिसकर्मी यति को हाथ जोड़ते नजर आए। इससे पहले यति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यति नरसिंहानंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री आवास जाने का ऐलान किया था। वह इस्लामिक जिहाद को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर पीएम आवास जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया। फिर क्या था, यति नरसिंहानंद वहीं खड़े होकर एक से बढ़कर एक विवादित बातें करने लगे। पुलिस द्वारा रोके जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए गिरी ने कहा कि इस्लाम का जिहाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यदि यह जारी रहा तो बहुत जल्द सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी।

इसके बाद वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तक पहुंच गए और उन्हें सबसे कट्टर मुसलमान बताते हुए अफजल के परिवार से मुलाकात, जिहाद जैसे आरोप लगाने लगे। यति ने कहा, अफजल गुरु के परिवार से सारे प्रोटोकॉल तोड़कर मिला। अब्दुल कलाम से कट्टर मुसलमान इस देश में नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही राष्ट्रपति है जो मृत्युदंड पाए किसी अपराधी के परिवार से मिला। जब तक अब्दुल कलाम उसके परिवारवालों से नहीं मिला था अफजल गुरु ने दया याचिका दायर नहीं की थी। अब्दुल कलाम ने कहा कि दया याचिका दायर करो मैं बैठा हूं यहां पर। कांग्रेस सरकार ने तब तक दया याचिका होम डिपार्टमेंट से भेजी नहीं, वरना...। यति ने अब्दुल कलाम को भारत रत्न देने वाले नेताओं के लिए भी अपशब्द का इस्तेमाल किया।

कई राज्यों में ठंड दिखा रही अपना असर, बर्फीली हवाओं ने जनजीवन किया प्रभावित

- श्रीनगर में पारा -3.2 डिग्री सेल्सियस, दिल्ली में एक्यूआई खराब श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में नवंबर में ही ठंड का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। तापमान गिरने लगा है। कश्मीर घाटी में ठंड ने इस बार नवंबर में ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तेज बर्फीली हवाओं और गिरते तापमान ने लोगों के जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बांदीपोरा में पारा -4.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का, जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। वहीं, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और मनाली में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ने लगा है। इसके अलावा उत्तराखंड के कई जिलों में भी तापमान तेजी से नीचे गिर रहा है। दिल्ली और एनसीआर लगातार तीसरे सप्ताह से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 396 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। आने वाले दिनों में और बुरा हाल होने वाला है। हालांकि एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में स्थिति और भी भयावह है, जहां एक्यूआई 450 के स्तर को पार पहुंच गया। यूपी में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। अब धीरे-धीरे रात के समय ठंडक बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में ठंडक में इजाफा हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 2-3 दिनों से जारी तापमान में गिरावट का सिलसिला अगले 48 घंटों तक जारी रहेगा। प्रदेश में किसी सक्रिय मौसम तंत्र के न होने और ठंडी और शुष्क पछुआ, उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण सर्दी लगातार बढ़ रही है। 25 नवंबर को प्रदेश में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में सुबह के समय कहीं-कहीं पर कोहरा छा सकता है। इसी तरह 26, 27 और 28 नवंबर को प्रदेश में मौसम साफ रह सकता है। सुबह कोहरा छा सकता है। 29 और 30 नवंबर को भी प्रदेश में मौसम साफ रहने के साथ ही कोहरा छाने की संभावना है।

बिहार में सर्दी के साथ ही कोहरा भी बढ़ रहा है और साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक लेवल तक बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से ठंड बढ़ी है। उत्तराखंड में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है लेकिन तापमान में गिरावट आ रही है। न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जिसके चलते पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी जनपदों तक ठिठुरन होने लगी है।

मौसम केंद्र के मुताबिक फिलहाल मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार बना रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला गिरने और मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छा सकता है। देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार को तेज धूप खिली रही। हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से दिन के समय भी खासी ठंड महसूस की गई है।

आतंकी हैंडलरों को लेकर देश भर के अल्पसंख्यक संस्थानों पर रखी जाएगी नजर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली धमाके में जिस तरह से फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम आते पूरे देश के अल्पसंख्यक संस्थान निशाने पर आ गए हैं। अब राज्य सरकारें अपने-अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेंगी कि वहां किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियां तो नहीं चल रही हैं या फिर किसी तरह की संदिग्ध वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं हो रही हैं। बता दें कि दिल्ली धमाकों के तार अबतक अल-फलाह के कम से कम तीन डॉक्टरों से सीधे तौर पर जुड़े पाए गए हैं। खुद फिदायीन हमलावर डॉ उमर उन नबी भी वहीं पढ़ाता था। बता दें कि अल-फलाह ग्रुप का फाउंडर और चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में है। जब, उसकी यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों का नाम टेरर मॉड्यूल के रूप में सामने आया तो कुछ ही दिन बाद ईडी ने इसे गिरफ्तार कर लिया। जवाद के ट्रस्ट से जुड़े करीब दो दर्जन ठिकानों पर ईडी छापा मार चुकी है। जवाद से जुड़ी यूएई की दो प्रॉपर्टी, यूके समेत विदेशी स्रोत से मिले हजारों डॉलर के फंड की जांच हो रही है। ईडी उन लोगों की भी तहकीकात कर रहा है, जो जवाद के लगातार संपर्क में रहे हैं। एक

सरकारों से कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराता है, जिसका अतीत संदेहास्पद रहा है, तो उन पर नजर रखें। यह भी कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, खासकर अगर वह स्टूडेंट्स के लिए मीडियेटर या हैंडलर के रूप में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और वह भी विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर से है तो उसको लेकर अलर्ट रहें। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में इस तरह का फैसला लिया गया है। इस बैठक में एनआईए, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने आपस में विचार-विमर्श किया है। अब से राज्य सरकारों को जैसे ही अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की भनक लगेगी, वह तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट करेगा। अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों को स्पष्ट तौर पर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच-पड़ताल की वजह से उनके किसी भी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को किसी तरह की असुविधा नहीं होने पाए।

ग्रामीण जर्जर सड़कों से परेशानः बारिश से गड्ढों में तब्दील मार्ग, प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

स्मार्ट हलचल| लाडपुरा

पंचायत के मुख्य मार्ग पर पीडब्ल्यूडी के तहत आने वाली सड़कें बारिश के कारण बड़े-बड़े गड्ढों से छलनी हो चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों और स्कूल बच्चों को धूल-मिट्टी व गंदगी से होकर गुजरना पड़ रहा है। यह मार्ग पंचायत मुख्यालय को हॉस्पिटल, विद्यालय और अन्य जरूरी जगहों से जोड़ता है। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप सुथार ने 8 जुलाई 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़ा शिविर में अधिकारियों को ज्ञापन देकर सड़क मरम्मत की मांग की, लेकिन पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने अनदेखी की। ग्रामीणों का रोष बढ़ता जा रहा है, क्योंकि दर्जनों गांवों के लोग रोजाना इस मार्ग का उपयोग करते हैं। ग्रामीण सेवा शिविर में 10 अक्टूबर 2025 को यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार मीणा ने भी शिविर प्रभारी को लिखित ज्ञापन सौंपा और तत्काल सड़क निर्माण की मांग की। पिछले पांच वर्षों से सड़कों की मरम्मत न होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। चार वर्ष पहले की रिपेयरिंग अब बेकार हो चुकी है, और बारिश ने गड्ढों को और गहरा कर दिया। भैरुजी मंदिर के पास पुलिया बह गई, जिससे ग्रामीणों को वैकल्पिक रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं। लाडपुरा चौराहा से गांव तक मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि एक-एक फीट गहरे गड्ढों से वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। वाहन निकलते समय मिट्टी घरों में घुस जाती है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बिना समयबद्ध कार्रवाई के समस्या और विकराल हो सकती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मरम्मत न हुई तो वे उच्चाधिकारियों तक पहुंचेंगे। पंचायत समिति और पीडब्ल्यूडी से तत्काल हस्तक्षेप की उम्मीद की जा रही है, ताकि यातायात सुगम और सुरक्षित हो। प्रमुख मांगें मुख्य मार्ग की तत्काल मरम्मत, पुलिया का पुनर्निर्माण, पांच वर्षों की उपेक्षा का हिसाब ग्रामीणों ने कहा कि जर्जर सड़कें विकास में बाधक हैं, और प्रशासन की लापरवाही अस्वीकार्य है।

राजस्थान सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त आदेश जारी, अब फॉलो करना होगा ये रूल

सीसीटीवी कैमरे से होगी मॉनिटरिंग

स्मार्ट हलचल| जयपुर

राजस्थान में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशों के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने सभी विभागाध्यक्षों और नियंत्रण अधिकारियों को सख्त आदेश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, अब सरकारी विभागों, संस्थाओं और उपक्रमों के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चौपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य होगा।

दफ्तरों के प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी अनिवार्य

डीजीपी ने आदेशों में स्पष्ट कहा है कि सभी सरकारी कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनकी नियमित मॉनिटरिंग हो। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारी और कर्मचारी हेलमेट और सीट बेल्ट नियमों का पालन करते हुए ही कार्यालय परिसर में प्रवेश करें।

नियमित रिकॉर्ड, पुरस्कार और कार्रवाईः

विभागों में एक रजिस्टर संचारित किया जाएगा, जिसमें कार्मिकों की प्रतिदिन की पालन स्थिति दर्ज होगी। नियमित पालन करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। नियम तोड़ने वालों को पहली बार समझाइश दी जाएगी और दोहराने पर विभागीय कार्रवाई होगी।

आदेश क्यों हुए जरूरीः

राजस्थान और देश में सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ रही मौतों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए थे। इसके बाद मुख्य सचिव ने 19 नवंबर को नई दिल्ली में हुई बैठक के आधार पर यातायात सुरक्षा से जुड़े विभागों के साथ समीक्षा की। आम नागरिकों की तरह सरकारी कार्मिक भी सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार रहें, इस उद्देश्य से हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया।

सत्ता नहीं करवा पा रही, परिवर्तन का अहसास...

हाल-ए-चिकित्सा विभाग, गहलोत सीएम और मीणा चिकित्सा मंत्री?

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान में सत्ता परिवर्तन को भले ही दो वर्ष होने जा रहे हैं, लेकिन सरकारी महकमों को अभी भी सत्ता परिवर्तन का अहसास नहीं है। ऐसा ही कुछ नजारा जिले के सबसे बड़े राजकीय हॉस्पिटल महात्मा गांधी चिकित्सालय में मोर्चरी स्थित नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर मुख्य द्वार पर देखने को मिला, जहां चिकित्सा विभाग की अनदेखी से राजस्थान सरकार का मुखिया अशोक गहलोत को और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रसादी लाल मीणा को दर्शाया जा रहा है। इतना ही नहीं यहां पर लगे इन दोनों नेताओं के फोटो को भी खुर्द-बुर्द किया हुआ है। जो यहां से गुजरने वालों के बीच चर्चा का विषय भी बने हुए हैं की सत्ता विहिन होने का ऐसा हश्र समझ से परे है। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी भी बड़े सवाल खड़े करती है की आखिर ऐसा क्यों ?? यह ट्रेनिंग सेंटर सीएमएचओ और पीएमओ कार्यालय के बीच है, और अक्सर दोनों अधिकारियों का इस और से गुजरना भी होता है।

मांडलगढ़ पुलिस ने पकड़ा भारी मात्रा में डोडा चूरा, 541 किलो अवैध मादक पदार्थ और पिकअप जप्त

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाडा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा के विरूद्ध बडी कार्यवाही कार्यवाही को अंजाम दिया। मांडलगढ़ पुलिस ने 541 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा और 1 पिकअप वाहन जप्त किया है। एसपी धर्मेन्द्र सिह द्वारा अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम के लिए विशेष अभियान जारी है। अभियान के तहत् आप पारस जैन मुख्यालय के निर्देशन में एवं बाबूलाल आर. पी.एस. वृताधिकारी, वृत मांडलगढ के सुपरविजन में थाना स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। थानाधिकारी घनश्याम मीणा पुलिस टीम के साथ स्पेशल एक्ट व अवैध गतिविधियो की रोकथाम के लिए लाडपुरा चौराहे पर गश्त कर रहे थे। थानाधिकारी को कांस्टेबल मुनेन्द्र सिंह नारकोटिक्स टास्क फोर्स चितोडगढ ने बताया कि एक पिकअप रजिस्ट्रेशन नम्बर आरजे 01 जीबी 5147 बेंगु की तरफ से आ रही है जिसमें अवैध डोडा चूरा भरा हुआ है। उक्त सूचना पर थानाधिकारी व पुलिस टीम लाडपुरा से रवाना खोकर टहला रोड उप स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची जहां नाकाबन्दी शुरू की गई। नाकाबन्दी के दौरान वही पिकअप नाथुरामजी का खेडा की तरफ से तेज गति से आती हुई दिखाई दी। पुलिस टीम व नाकाबन्दी को देख कर पिकअप चालक ने पिकअप की स्पीड को और तेज कर दी जिस पर टीम ने रोड पर स्टोप स्टीक बिछाई, पिकअप चालक को पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया लेने चालक तेजगति से पिकअप को स्टोप स्टीक के उपर से गुजारते हुये आगे की और ले भागा जिससे पिकअप के आगे के दोनो टायर ब्रस्ट हो गये तथा पिकअप का पीछा किया तो पिकअप का चालक कुछ दुरी पर जाने के बाद पिकअप को लावारिस हालत मे छोडकर खेत खलीयानो व घने जंगलों की तरफ भाग गया जिस पर पिकअप को डिटेन करते हुये भागे हुये चालक की तलाश में पुलिस टीम ने आस-पास के जंगलो में ढुढने का अथक प्रयास किया। भरसक प्रयास के बावजूद वाहन चालक का कोई पता नही चला। डिटेनशूदा वाहन पिकअप की तलाशी लेने पर पिकअप में 28 प्लास्टिक के कट्टों मे अवैध डोडा चुरा भरा हुआ जिसका कुल वजन 541 किलो 100 ग्राम डोडा चुरा होना पाया गया। जिस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये डोडा चुरा और पिकअप को जप्त कर मामला दर्ज किया गया अग्रिम अनुसंधान जारी है।

गठित पुलिस टीम

घनश्याम मीणा थानाधिकारी पुलिस थाना मांडलगढ, रामसिह सउनि पुलिस थाना मांडलगढ, कांस्टेबल सुरेंद्रसिंह, भंवर लाल,

गोपाललाल, मनोज कुमार, महेन्द्र, अशोक और कुलदीपसिंह शामिल थे।

भीलवाड़ा में एक ही नंबर प्लेट की दो निजी बसे जब्त

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाड़ा यातायात पुलिस ने एक ही नम्बर प्लेट से संचालित 2 निजी बसों को जब्त किया जिसके बाद निजी बस संचालकों में हड़कंप मच गया। एसपीपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दिनांक 24.11.2025 को सूचना मिली कि बस चालक द्वारा रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट को एक बस से हटाकर दूसरी बस पर लगा कर बसे संचालित की जा रही है, एवं बस से नम्बर प्लेट खोलकर अन्य दुसरी बस पर लगाने का एक विडियो वायरल होने पर तुरन्त यातायात पुलिस द्वारा यातायात पुलिस थाने के बाहर नाकाबन्दी की गई। नाकाबन्दी के दौरान बस नबर आर.जे.06 पी.ए 4007 एवं आर.जे.06 पी.ए. 4001 को रोककर वाहन चालको से वाहन से सम्बन्धित कागजात मांगे गये परन्तु वाहन चालको द्वारा मौके पर कागजात नही होना बताया, जिस पर उक्त दोनो बसों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जप्त की गयी। उक्त दोनो बसों के सम्बन्ध में जांच की जा रही है जांच के दौरान किसी की संलिप्तता पाई जाने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी।

बेकाबू ट्रैक्टर का तांडव, एक न्यायिक अधिकारी के सरकारी आवास की दीवार तोड़ घुसा अंदर

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के अजमेर तिराहे के समीप बुधवार को एक बड़ा और चौंकाने वाला हादसा हो गया। अनियंत्रित रफ्तार से दौड़ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने एक न्यायिक अधिकारी के मकान की मजबूत दीवार को तोड़ दिया और सीधे घर में घुस गया। इस भीषण हादसे में दीवार के पास मौजूद एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मलबे से निकालकर तत्काल उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अजमेर तिराहे के समीप स्थित सिविल लाइन में एक न्यायिक अधिकारी का क्वार्टर है। एक बेकाबू तेज रफ्तार ट्रैक्टर का नियंत्रण खोने के बाद वह घर की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दीवार का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया। इसी दौरान पास में खड़ा राकेश नामक युवक दीवार के मलबे में दब गया और बुरी तरह घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत मोर्चा संभाला और मलबे को हटाकर घायल राकेश को बाहर निकाला। उसे आनन-फानन में उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के मुताबिक, उसकी हालत अब स्थिर है। दूसरी ओर, घटना की जानकारी मिलते ही सुभाष नगर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और क्षतिग्रस्त मकान के मालिक और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई।पुलिस ट्रैक्टर को डिटेन कर थाने ले आई।

राजस्थान में हाईवे से हटेंगे शराब के ठेकेः हाईकोर्ट ने कहा-सरकार ने हाईवे को 'लिकर-फ्रेंडली कॉरिडोर' बना डाला

हाईवे के 500 मीटर के दायरे में चल रहे सभी 1102 शराब के ठेकों को 2 महीने के भीतर हटाया जाए

स्मार्ट हलचल | जोधपुर

राजस्थान में नेशनल और स्टेट हाईवे के किनारे चल रहे शराब के ठेकों को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। बुधवार को जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने हाईवे के 500 मीटर के दायरे में चल रहे सभी 1102 शराब के ठेकों को 2 महीने के भीतर हटाने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते समय सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार ने म्युनिसिपल एरिया की आड़ में हाईवे को 'लिकर-फ्रेंडली कॉरिडोर' बना दिया है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चाहे ये ठेके नगरपालिका या शहरी सीमा में ही क्यों न आते हों, अगर ये हाईवे पर है, तो इन्हें हटाना ही होगा। यह फैसला प्रदेश में बढ़ते सड़क हादसों और 'ड्रंक एंड ड्राइव' के मामलों को देखते हुए दिया गया है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए स्वीकार किया कि प्रदेश में कुल 7665 शराब की दुकानों में से 1102 दुकानें नेशनल और स्टेट हाईवे पर है। सरकार की दलील थी कि ये दुकानें आबादी/नगरपालिका क्षेत्र में आती है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट की छूट के दायरे में है। सरकार ने यह भी बताया कि इन 1102 दुकानों से राज्य को सालाना करीब 2221.78 करोड़ रुपए का भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मजाक बना दिया

हाईकोर्ट ने सरकार की इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार ने 'नगरपालिका क्षेत्र' की आड़ में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का मजाक बना दिया है। कोर्ट ने कहा- संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत लोगों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि है। 2200 करोड़ रुपए के राजस्व के लिए हम लोगों को मरने के लिए नहीं छोड़ सकते।

प्रदेश में करीब 7765 शराब की दुकानें हैं। इनसे विभाग को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 17 हजार 200 करोड़ रुपए का रेवेन्यू अर्जित हुआ था। यह प्रदेश में किसी सरकारी विभाग में सबसे ज्यादा रेवेन्यू है।

कोर्ट ने बताया कि 2025 में अब तक ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में करीब 8% की बढ़ोतरी हुई है। सितंबर 2025 तक ऐसे 43,788 मामले सामने आ चुके हैं। कोर्ट ने हाल ही में जयपुर के हरमाड़ा (15 मौतें) और फलोदी (15 मौतें) में हुए भीषण सड़क हादसों का हवाला देते हुए कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाना जानलेवा साबित हो रहा है।

कोर्ट ने अपने आदेश में 2 टूक निर्देश दिए हैं

500 मीटर का दायराः नेशनल या स्टेट हाईवे से 500 मीटर की दूरी के भीतर कोई भी शराब की दुकान संचालित नहीं होगी।सरकार को ये 1102 दुकानें 2 महीने के भीतर शिफ्ट करनी होंगी। शराब का कोई भी होर्डिंग या विज्ञापन हाईवे से दिखाई नहीं देना चाहिए। अगली सुनवाई 26 जनवरी 2026 को होगी, जिसमें आबकारी आयुक्त को पालना रिपोर्ट पेश करनी होगी।

भारत का संविधान भारत की आत्मा है इसे सुरक्षित रखें-अभय जैन

उपभोक्ता कल्याण समिति राजस्थान ने मनाया, संविधान दिवस

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को भीलवाड़ा में उपभोक्ता कल्याण समिति राजस्थान द्वारा न्यायालय परिसर में न्यायिक अधिकारीगणों से मिलकर संक्षिप्त गरिमामय चर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा अभय जैन को भारत के संविधान की प्रस्तावना का मोमेंटो भेंट कर अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। अपर जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विशाल भार्गव तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नगेंद्र सिंह को भी संविधान की प्रस्तावना का प्रतीक चिन्ह देकर समिति द्वारा सम्मानित किया गया। समिति के संरक्षक एडवोकेट राजेंद्र कचोलिया के नेतृत्व में चर्चा वह सम्मान का आयोजन यहा। इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट अशोक जैन, प्रदेश महामंत्री एडवोकेट जितेंद्र मारू एडवोकेट, प्रदेश समन्वयक नवरतमल जैन एवं कई वरिष्ठ अधिवक्तागण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

चर्चा के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभय जैन ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, यह पूरे भारत की आत्मा है। देश की हर व्यवस्था संविधान से संचालित होती है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान की भावना को समझे, जागरूकता बढ़ाए और संविधान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प ले। उन्होंने समिति पदाधिकारीयो से कहा कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित निस्तारण का सशक्त माध्यम हैं, जहाँ आम नागरिक मिल-बैठकर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। समिति के सदस्यों से उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालतों से जोड़ने का आह्वान किया। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल भार्गव ने समिति सदस्यों को कहा कि जन उपयोगी समस्याओं के समाधान हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आवेदन करने और अधिकतम लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से 90 दिवसीय जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। समिति के

प्रदेश अध्यक्ष अशोक जैन ने समिति की गतिविधियों से सभी गणमान्यजनों को अवगत कराया तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के 90 दिवसीय जागरूकता अभियान में अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया।

प्रदेश महामंत्री जितेंद्र मारू ने संविधान दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं। जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि सभी मिलकर संविधान के अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूकता फैलाएं। समिति के संरक्षक राजेंद्र कचोलिया ने समिति के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत में 'कानून का राज' संविधान प्रदत्त है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह नियमों का पालन कर समाज में विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए।

देशभर के कारीगर एक छत के नीचे, भीलवाड़ा हस्तशिल्प मेला आकर्षण का केंद्र

हस्तशिल्प मेला-2025 का हुआ शुभारंभ

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

स्स्स्ध मंत्रालय, भारत सरकार के 'ड्डद्बह्यद्बठ्ठद्द ×ष्द्गद्यद्गड्ढह्लद्बठ्ठद्द स्स्स्ध क्द्धह्लद्धश्चह्लद्बड्डठ्ठष्द्ग ('स्क्क) कार्यक्रम के अंतर्गत ह्व•ष्ठह्लद्ग द्वारा आयोजित 'भीलवाड़ा हस्तशिल्प मेला - 2025' का शुभारंभ बुधवार को भीलवाड़ा ग्रामीण हाट परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री अशोक कोठारी व जनप्रतिनिधि श्री प्रशान्त मेवाड़ा ने मेले का उद्घाटन किया एवं मेले में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्पियों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया।

समारोह में विधायक श्री अशोक कोठारी ने स्थानीय कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर हस्तशिल्प आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन कारीगरों के कौशल, पहचान और आय संवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र, भीलवाड़ा के महाप्रबंधक श्री कमलेश मीणा ने उद्योग विभाग की भूमिका, हस्तशिल्प मेलों के महत्व तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

सात दिवसीय इस मेले में जिले, राज्य एवं भारत के विभिन्न जिलों से आए दस्तकार, कारीगर एवं स्वयं सहायता समूहों ने पारंपरिक और आकर्षक हस्तनिर्मित उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की है। मेले में बनारसी साड़ियाँ, कोटा डोरिया साड़ियाँ, लकड़ी के हस्तनिर्मित उत्पाद, कश्मीरी शॉल, मिर्जापुर की कालीनें, तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित प्राकृतिक साबुन, हर्बल शैम्पू और आयुर्वेदिक चूर्ण जैसे उत्पाद प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त राजस्थान की ब्लॉक प्रिंट एवं बाग प्रिंट वस्त्र, क्राफ्ट, गुजरात की बंधनी, पर्यावरण-अनुकूल टेराकोटा कला और हस्तनिर्मित ज्वेलरी जैसे विविध उत्पाद भी आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं। विविधता से भरपूर यह मेला कारीगरों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने, स्थानीय उत्पादों के बाज़ारीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ह्व•ष्ठह्लद्ग कंपनी के प्रतिनिधि अजय मेनारिया ने बताया कि 'स्क्क कार्यक्रम स्स्स्धह्य एवं ग्रामीण उद्यमियों को मजबूत करने के उद्देश्य से देशभर में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से क्रियान्वयन कर रहा है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा हस्तशिल्प मेला इस दिशा में एक प्रभावी पहल है जो स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता है। इवेंट कोऑर्डिनेटर अमरेश सिंह ने बताया कि यह मेला न केवल कारीगरों को मंच प्रदान करता है, बल्कि उनके कौशल, उत्पादों और परंपराओं को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का अवसर भी उपलब्ध कराता है।

कोटड़ी में संविधान दिवस पर पंचायत समिति की साधारण सभा आयोजित

कांग्रेस के कुशासन में विकास का लगा ब्रेक, भाजपा ने बहाई गंगा: मीणा

पंचायत समिति परिसर में पंण्डित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण व विकास कार्यों का किया लोकार्पण

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। कांग्रेस के कुशासन में क्षेत्र में विकास का ब्रेक लग गया था जिसे पिछले दो वर्ष में भाजपा ने विकास की गंगा बहा कर लोगों को राहत पंहुचाने का काम किया है। पंचायत समिति आशान्वित ब्लॉक में चिन्हित होने के बाद से ही विकास ने अग्रणी ब्लॉक की श्रेणी में आया है। क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी जाएगी। डा. भीमराव अम्बेडकर व पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शो को जीवन में उतारने की बात मुख्यालय स्थित पंचायत समिति परिसर में संविधान दिवस पर आयोजित साधारण सभा की बेठक के दौरान जहाजपुर विधायक गोपी चन्द मीणा ने कहे। उन्हाने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीब और आमजन के कल्याण के लिए योजनाओं को पूर्ण समर्पण के साथ लागू किया है। कोटड़ी में महाविद्यालय, सड़कों का विस्तार, स्टेडियम और उपजिला अस्पताल जैसे विकास कार्य की सोगात भाजपा की महत्वपूर्ण देन है। वहीं माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खण्डेलवाल ने कहा कि कोटड़ी पंचायत समिति में किए जा रहे नवाचार पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय उदाहरण साबित हो रहे है। जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के तालमेल से ही विकास के नये आयाम प्राप्त हो रहे है। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने पारदर्शिता की नई परंपरा स्थापित की है। राजस्थान में भाजपा शासन में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में यह आम बात थी। भ्रष्टाचारियों को संरक्षण का दौर समाप्त हो चुका है। नई पंचायतों के गठन से विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी। जबकि प्रधान करण सिंह बेलवा ने कहा कि कांग्रेस शासन में कोटड़ी प्रदेश में सबसे पिछड़े ब्लॉक में गिनी जाती थी परन्तु दो वर्षो में किए गए नवाचारों से अब कोटड़ी देश में पहचान बना चुका है। उन्होंने बताया कि कोटड़ी ने आशान्वित ब्लॉकों की सूची में 468 से उभरकर देश में 11वां स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर केंद्र सरकार ने दो बार 1.5 करोड़ रुपए और तीसरी बार प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान के लिए 1 करोड़ रुपए का पुरस्कार प्रदान किया वह कोटड़ी के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उपजिला प्रमुख शंकर गुर्जर ने जिले में हुए विकास कार्यो को गिनाया। कार्यक्रम के दौरान विकास अधिकारी राम बिलास मीणा ने पंचायत समिति में हो रहे नवाचारों को पोस्टर के द्वारा बताते हुए कोटड़ी को कचरा मुक्त करने के लिए किए जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला। साथ ही सरकार की योजनाओं में पात्रता के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी। बैठक की शुरुआत राष्ट्रीय संविधान दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन कर संविधान पालन की शपथ से हुई। साधारण सभा के बाद कोटड़ी पंचायत समिति परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का विधिविधान से अनावरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खण्डेलवाल, जहाजपुर विधायक गोपी चन्द मीणा, उपजिलाप्रमुख शंकर गुर्जर, प्रधान करण सिंह बेलवा, उपप्रधान कैलाश सुथार, जिला महामंत्री कन्हैयालाल जाट, भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, पूर्व मण्डल अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह छापड़ेल, सुरेश पारशर, कैलाश तिवाड़ी, जमना लाल डीडवानिया, धर्मचन्द जीनगर, राजेंद्र तेली, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, कोठाज प्रशासक गोपाल सिंह, शोभा लाल जाट, भीमसिंह मेड़तिया, विनोद संचेती, भैरू लाल गुर्जर, सांवर लाल धाकड़, राघव आचार्य सहित जनप्रतिनिधि व सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

करोड़ों के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

पंचायत समिति परिसर में पण्डित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा अनावरण के बाद पंचायत समिति में सीसी सड़क कार्य, आवास निर्माण, राजकीय विद्यालय में पेवर ब्लॉक, भवन निर्माण कार्य तथा तेलीखेड़ा में पेयजल ट्यूबवेल सहित करोड़ों रुपए की विकास कार्य का शुभारंभ किया गया।

कोटड़ी पंचायत समिति में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थापित

संविधान दिवस पर ली शपथ

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। कोटड़ी पंचायत समिति परिसर में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई । भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, मांडलगढ़ विधायक गोपाल लाल शर्मा, उप जिला प्रमुख शंकरलाल गुर्जर, प्रधान करण सिंह बेलवा तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता कन्हैयालाल जाट ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमा का अनावरण किया । इससे पूर्व संविधान दिवस के अवसर पर साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई । विकास अधिकारी रामबिलास मीणा ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन को संविधान की शपथ दिलाई तथा डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की विशेषताओं एवं देश के सशक्त लोकतंत्र के बारे में विस्तार से बताया । कार्यक्रम में पिछले दो वर्षों में पंचायत समिति द्वारा किए गए विभिन्न नवाचारों की प्रदर्शनी भी लगाई गई । इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक सुरेश कुमार, तहसीलदार सुरेंद्र चौधरी, उप प्रधान कैलाश सुथार,कोटड़ी मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, पारोली मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, नंदराय मंडल अध्यक्ष प्रकाश सांगावत, सुरेश पाराशर, दुर्गालाल धाकड़, भावनी शंकर चौधरी, शिवराज जाट, शिवलाल जाट, शौभालाल जाट, भंवर सिंह, गोपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शंभूगढ़ कस्बे से उठी पंचायत समिति बनाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

शंभूगढ़ कस्बे में सरपंच प्रतिनिधि के नेतृत्व मैं कस्बे को पंचायत समिति बनाने की मांग उठी । बुधवार को कस्बे के ग्रामीण स्थानीय बस स्टैंड पर इकट्ठा हुए और आम सभा का आयोजन किया तथा बस स्टैंड से विशाल रैली के रूप में तहसील कार्यालय पर आए और तहसीलदार गणेश कच्छावा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा । ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि आसींद तहसील में शंभूगढ़ कस्बा धनी आबादी का क्षेत्र जिसमें शिक्षा चिकित्सा उप तहसील कार्यालय पुलिस थाना संचार के साधन के साथ ही कस्बे में आवाजावी के पर्याप्त साधन सुविधा है तथा आसपास की 20 से 25 पंचायत के बीच में स्थापित होकर हर प्रकार की सुविधाओं से अनुकूल कस्बा स्थापित है जिसे पंचायत समिति का दर्जा नहीं मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश है पंचायत समिति नहीं बनने पर ग्रामीणों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

पुनर्गठन की अधिसूचना जारी होने के बाद अलीनगर ग्रामवासियों मे आक्रोश

शाहपुरा बनेड़ा विधायक को जनसुनवाई में दिया ज्ञापन फिर से बेरा पंचायत में गांव को रखने की मांग

स्मार्ट हलचल

बेरा। बनेड़ा उपखंड क्षेत्र की बेरा पंचायत पुनर्गठन की अधिसूचना जारी होने के बाद बनेड़ा क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती जा रही है । ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने 20 नवंबर को अलीनगर गांव को बेरा पंचायत से हटाकर रूपाहेली खुर्द ग्राम पंचायत में मिलाकर नई घोषणा की जिस पर ग्रामवासी नाराज होकर आक्रोश हो गए और मतदान के बहिष्कार की चेतावनी देते हुए बुधवार को समाजसेवी गुलाब मोहम्मद के नेतृत्व में शाहपुरा बनेड़ा विधायक लालाराम बैरवा को जनसुनवाई में ज्ञापन सोपा । बताया गया कि आजादी के बाद से ही हमारा अल्पसंख्यक का गांव बेरा पंचायत में ही मतदान करते आ रहे हैं और हमारा गांव नजदीक हैं इसीलिए ग्राम वासियों को बेरा ग्राम पंचायत में ही रखा जाए नहीं तो हम मतदान का बहिष्कार करेंगे जन आंदोलन करेंगे हमारी मांग मानी जाए । जायज मांग को लेकर विधायक से मांग की गई । इस मौके पर ग्रामवासी इकबाल खां आजाद खां मुन्ना इमरान सुल्तान सलीम असलम नौसाद रफीक खां अब्दुल इम्तियाज वाहिद खां शाहरुख सकावत खां निजामुद्दीन खां जब्बार खां राजू खां सहीम इम्तियाज शहजाद शकील सिराजुद्दीन इमरान फारूक एवं सभी ग्राम वासियों ने बताया कि हमारे यहां अल्पसंख्यक के गांव में 350 मतदाता है जो रूपाहेली खुर्द में जाना नहीं चाहते हैं ग्राम पंचायत की कुल वोटर जनसंख्या 3500 है जिसमें बेरा पंचायत के सभी गांव मिलकर बेरा सूरजपुर अलीनगर छांगा का खेड़ा दीनदयाल नगर इंदिरा कॉलोनी मिलाकर कुल 3500 है और रूपाहेली खुर्द के सभी गांव मिलाकर वहां की वोटर संख्या 4000 है।

मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप ने लगाया, आपातकालीन ब्लड डोनेशन कैम्प

सभी धर्म के लोगो ने मिलकर 101 यूनिट ब्लड डोनेट किया

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप भीलवाड़ा के चेयरमैन शाहबुद्दीन शेख ओर वाइस चेयरमैन मोहम्मद अली मंसूरी ने बताया कि जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी हॉस्पिटल में वर्तमान समय में रक्त की भारी कमी हो रही हे ब्लड बैंक द्वारा बताया गया कि रक्त की अति आवश्यकता हे मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप भीलवाड़ा ने तुरंत बल्ड बैंक के आग्रह पर आपातकालीन ब्लड डोनेशन कैम्प महात्मा गांधी हॉस्पिटल ब्लड बैंक में आयोजित करवाया जिसमें सभी धर्म और समाज के युवाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया जैसे ही ब्लड की कमी की जानकारी मिली और बुधवार को तुरंत कैम्प आयोजित करवा दिया जिसमें 101 रक्तदाताओं ने आपातकालीन स्थिति में रक्त देकर मिसाल कायम की हे ।युवाओं में कैम्प के प्रति जोश देखा गया ओर रक्तदान के प्रति जज्बा देखने को मिला।

एमजी हॉस्पिटल में बढ़ रही नर्सेज की कमी, नर्सिंग कर्मी करेंगे इंजेक्शन डाउन हड़ताल

आररएनयू ने दी चेतावनी, 26 नवंबर, होगी मीटिंग जिला कलेक्टर को देगे ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में नर्सेज की कमी लगातार बढ़ती जा रही है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि राजस्थान नर्सेज यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं मिला तो आगामी सप्ताह में दो घंटे की इंजेक्शन डाउन हड़ताल करने पर मजबूर होना पड़ेगा। यूनियन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। यूनियन ने बताया कि 26 नवंबर, बुधवार को सुबह 9 बजे अस्पताल परिसर में गेट मीटिंग होगी। इसके बाद अधीक्षक डॉ. अरुण गौड़ को ज्ञापन सौंपा जाएगा। नर्सिंग कर्मचारी इसके बाद जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन देकर अपनी मांगों से अवगत कराएंगे। जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट ने कहा कि नर्सेज एक दशक से सीमित पदों पर लगातार सेवा दे रहे हैं, जबकि नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुसार पदों की संख्या आधी ही है। लगातार समझाइश, पत्राचार और याद दिलाने के बावजूद विभाग समस्या नहीं सुलझा रहा। मजबूरी में आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ रहा है। जिला प्रवक्ता गिरिराज लढ़ा ने बताया कि नर्सेज की कमी को लेकर एसीएस, कलेक्टर, विधायक, सीएमएचओ, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज और पीएमओ तक सभी को अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिला कार्यकारी अध्यक्ष ललित जीनगर ने बताया कि एक सप्ताह तक विभिन्न तरीकों से मांगें रखी जाएंगी। 26 नवंबर को कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा, 27 नवंबर को सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद विरोध में यज्ञ और हनुमान चालीसा का आयोजन कर नर्सेज लगाने की मांग दोहराई जाएगी। यूनियन ने सभी नर्सिंग कर्मचारियों से अपील की है कि कोई मरीज प्रभावित न हो। हर कर्मचारी ड्यूटी के बाद या अवकाश में ही प्रदर्शन में शामिल होगा।

न्यायालय में मनाया संविधान दिवस

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा के आदेशानुसार तथा अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा के निर्देशानुसार बुधवार को संविधान दिवस का आयोजन किया। तालुका सचिव शिवराज धाकड़ ने बताया कि न्यायालय परिसर में संविधान दिवस के तहत संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। संविधान की विशेषता के बारे में बताया गया। इस दौरान अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश शाहपुरा सानिया हाशमी, समस्त कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण शाहपुरा उपस्थित रहे।

मतदाता सूची डिजिटलाइजेशन में उत्कृष्ट कार्य, शाहपुरा के ईआरओ सुनील मीणा होंगे सम्मानित

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा संचालित फोटो युक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए विधानसभा क्षेत्र 181 शाहपुरा (अजा) के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी सुनील कुमार मीणा (आरएएस) को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की परिगणना अवधि के दौरान समस्त मतदान केंद्रों पर पंजीकृत मतदाताओं के डिजिटलीकरण कार्य को श्रेष्ठता, प्रतिबद्धता और अनुकरणीय दक्षता से पूरा करने पर दिया जा रहा है। निर्वाचन कार्यों में उनकी प्रतिबद्धता को राज्य स्तर पर सराहा गया है।

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन द्वारा सुनील मीणा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि शाहपुरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण भी है।

चुनाव आयोग के अनुसार इस प्रकार की उत्कृष्ट कार्यशैली लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाती है। सुनील मीणा के इस प्रयासों से मतदाता सूची अधिक सटीक, विश्वसनीय और अपडेटेड बन सकी है।

उपभोक्ता कल्याण समिति राजस्थान ने मनाया संविधान दिवस, न्यायिक अधिकारी गणों से मिलकर की संविधान दिवस पर चर्चा

भारत का संविधान केवल मात्र एक दस्तावेज ही नहीं बल्कि भारत की आत्मा है: अभय जैन

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। उपभोक्ता कल्याण समिति राजस्थान ने संविधान दिवस (26 नवम्बर 2025) मनाया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर भीलवाड़ा में न्यायिक अधिकारी गणों से मिलकर एक संक्षिप्त गरिमामय संविधान दिवस पर चर्चा का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा माननीय अभय जैन को भारत के संविधान की प्रस्तावना का मोमेंटो भेंट कर अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इसी क्रम में अपर जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, विशाल भार्गव तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय नगेंद्र सिंह को भी संविधान की प्रस्तावना का प्रतीक चिन्ह देकर समिति ने सम्मानित किया गया। समिति के संरक्षक राजेंद्र कचोलिया एडवोकेट के नेतृत्व में चर्चा वह सम्मान का आयोजन यहा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अशोक जैन एडवोकेट, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र मारू एडवोकेट, प्रदेश समन्वयक नवरतमल जैन एडवोकेट, एवं कई वरिष्ठ अधिवक्तागण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चर्चा के दौरान माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभय जैन ने कहा कि 'भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, यह पूरे भारत की आत्मा है। देश की हर व्यवस्था संविधान से संचालित होती है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान की भावना को समझे, जागरूकता बढ़ाए और संविधान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प ले।' उन्होंने समिति पदाधिकारीयो से कहा कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित निस्तारण का सशक्त माध्यम हैं, जहाँ आम नागरिक मिल-बैठकर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं। समिति के सदस्यों से उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालतों से जोड़ने का आह्वान किया। सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विशाल भार्गव जी ने समिति सदस्यों को कहा कि जन उपयोगी समस्याओं के समाधान हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आवेदन करने और अधिकतम लाभ उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से 90 दिवसीय जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। प्रदेश अध्यक्ष अशोक जैन एडवोकेट ने समिति की गतिविधियों से सभी गणमान्यजनों को अवगत कराया तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के 90 दिवसीय जागरूकता अभियान में अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान किया। प्रदेश महामंत्री श्री जितेंद्र मारू एडवोकेट ने संविधान दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं। जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि सभी मिलकर संविधान के अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूकता फैलाएं। संरक्षक राजेंद्र कचोलिया एडवोकेट ने समिति के कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत में 'कानून का राज' संविधान प्रदत्त है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह नियमों का पालन कर समाज में विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाए। संक्षिप्त चर्चा कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी रहा।

संविधान दिवस पर मतदाता शपथ

स्मार्ट हलचल

बेरा। बनेड़ा उपखंड क्षेत्र में बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायला में राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल ईएलसी गतिविधि में प्रधानाचार्य नंद राम शर्मा द्वारा प्रार्थना समय में वोट देने के संवैधानिक अधिकार नैतिक मतदान एवं एस आई आर के संबंध में जानकारियां दी। छात्रों को लोकतांत्रिक प्रणाली में मत का बहुत महत्व होता है समझाया गया और अंत में मतदाता शपथ दिलाई गई छात्रों को विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 में सहयोग करने के लिए आह्वान किया गया।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में नूतन छात्र अभिनंदन समारोह

चिकित्सक रोगियों व परिजनों के प्रति विनम्रता का व्यवहार रखें - केबिनेट मंत्री खराड़ी

भगवान धनवंतरी चित्र व चरक शपथ पट्ट अनावरण

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में नेशनल मेडिकोज़ ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) उदयपुर एवं कॉलेज के 2024 बैच के छात्रों द्वारा नूतन विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह तथा कॉलेज के मुख्य पोर्च में भगवान धनवंतरी के चित्र एवं चरक शपथ पट्ट के अनावरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी रहे। विशिष्ट अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन रहे। अध्यक्षता प्राचार्य विपिन माथुर ने की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. भुवनेश चम्पावत एवं डॉ. नरेंद्र जोशी रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं वंदेमातरम् के गायन से हुआ। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री खराड़ी ने विद्यार्थियों को चरक शपथ के आदर्श अपने जीवन में अपनाने की सलाह दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति के गौरवपूर्ण इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को पश्चिमी प्रभाव से बचते हुए राष्ट्र को सर्वापरि रखना चाहिए। उन्होंने चिकित्सकों को विनम्रता एवं उत्तम व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सक के अच्छे व्यवहार रोगी की आधी बीमारी स्वयं ही दूर हो जाती है।

विधायक श्री जैन ने चिकित्सकों की जनसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थान की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए विस्तार के लिए भूमि उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही एमआरआई जांच की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए अतिरिक्त मशीन उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया।

विद्यार्थियों को दिलाई चरक शपथ

कार्यक्रम में नूतन विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य डॉ. विपिन माथुर ने चरक शपथ दिलाई गई। डॉ. सुशील साहू ने चरक शपथ के ऐतिहासिक एवं नैतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह शपथ प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथ चरक संहिता पर आधारित है, जिसमें चिकित्सक के आदर्श आचरण और जिम्मेदारियों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा अब सभी मेडिकल विद्यार्थियों के लिए चरक शपथ अनिवार्य कर दी गई है।

भगवान धनवंतरी के चित्र का अनावरण

अतिथियों ने भगवान धनवंतरी के चित्र का अनावरण किया। एनएमओ अध्यक्ष डॉ. राहुल जैन ने भगवान धनवंतरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समुद्र मंथन से उत्पन्न 14 रत्नों में से एक भगवान धनवंतरी को आयुर्वेद एवं चिकित्सा का देवता माना जाता है। उनकी पूजा उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं रोगों से मुक्ति प्रदान करती है। विद्यार्थियों प्रीति अग्रवाल, अभिषेक यादव एवं अमन कुमावत नेअपने अनुभव साझा किए। मंच संचालन मेडिकल विद्यार्थियों खुश राज सिंह सोलंकी एवं ख्याति सिंह भाटी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हेमेन्द्र श्रीमाली, विष्णु नागदा, विष्णु मेनारिया, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. विजय गुप्ता, पेसिफिक डेंटल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. भगवान सहाय सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

बिलेठा पंचायत का 'सड़ा सच' सरपंच की नाकामी पर गांव में उठे बदबू भरे सवाल

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। ग्राम पंचायत बिलेठा की बदहाली में एक और शर्मनाक अध्याय तब जुड़ गया जब पंचायत कार्यालय परिसर में पिछले तीन दिनों से एक मृत कुत्ता सड़ता हुआ पड़ा रहा। बदबू से हालात बदतर हो गए, लेकिन पंचायत प्रशासन और सरपंच की आंखें इस पूरी स्थिति पर बंद रहीं।

हर साल गांव की सफाई के नाम पर बजट आता है, लेकिन वास्तविक सफाई व्यवस्था का हाल इतना खराब है कि पंचायत अपने ही कार्यालय परिसर से एक सड़ा हुआ कुत्ता तक समय पर नहीं हटवा सकी। ऐसे में गांव की नालियां, गलियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई की जिम्मेदारी निभाने की क्षमता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

जानकारी के मुताबिक गांव के राजू व अभिषेक हरिजन सफाई कर्मचारी पहले से ही बजट और भुगतान के बहाने से परेशान चल रहे हैं। न उनका समय पर भुगतान हुआ और न ही उन्हें काम करने दिया जा रहा है। जैसे ही गांव में गुस्से की लहर उठी, तीन दिन बाद रात के

अंधेरे में सरपंच के नजदीकी लोगों ने चोरी-छिपे कुत्ता फिंकवा दिया। इससे ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया है।

घटना के बाद हरिजन समुदाय के राजू व अभिषेक ने साफ़ कह दिया कि अब न वे सफाई करेंगे और न ही ऐसे किसी काम के लिए तैयार होंगे। गांव वालों का भी कहना है कि अगर सरपंच खुद सफाई के न्यूनतम मानकों को नहीं संभाल सकता, तो पंचायत चलाने की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा?

गांव के कई युवाओं ने इस घटना का वीडियो बनाया है और इसे जिला कलेक्टर और पंचायत मंत्री तक भेजने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं अनेक ग्रामीण सरपंच को 'नकारा', 'निकम्मा' और 'ज़िम्मेदारी से भागने वाला' कहकर खुलेआम विरोध जता रहे हैं।

सिसोदिया के जिलाध्यक्ष बनने के साथ ही विरोध के सुर तेज, लग रहे गम्भीर आरोप

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। कोंग्रेस आलाकमान द्वारा चित्तौड़गढ़ कोंग्रेस की कमान प्रमोद सिसोदिया को थमाने के साथ ही चित्तौड़ शहर सहित जिलेभर में विरोध के सुर तेज हो गए है।

प्रमोद सिसोदिया को जिलाध्यक्ष बनाये जाने के बाद से जहा एक ओर उनके कई जगह समर्थकों द्वारा स्वागत किये जा रहे है वही दूसरी ओर जिले में उनके खिलाफ विरोध के सुर भी तेज हो गए है और कोंग्रेस अलग अलग गुटों में बंटती नजर आ रही जो अब एक होना आसान नही दिख रहा। वही दुसरी ओर सिसोदिया लगातार सोशल मीडिया पर ट्रॉयल हो रहे है उनके ऊपर कोंग्रेस पार्टी के ही जिले के एक वरिष्ठ नेता को हराने में अहम भूमिका निभाने, कोंग्रेस ही छवि खराब करने, पार्टी को नुकसान पहुंचाने सहित कई गम्भीर आरोप लग रहे है।

जहाँ एक ओर समर्थकों द्वारा स्वागत तो दूसरी ओर सिसोदिया को अपने ही शहर और जिले में विरोध भी झेलना पड़ रहा है। अब जिले में कोंग्रेस अलग अलग गुटों में नजर आ रही है जिससे यह कहना गलत नही होगा कि आगामी चुनाव में इसका सीधा फायदा विपक्षी पार्टी यानी भाजपा को मिलेगा, हालांकि जिले में भाजपा के तो पहले ही लम्बे समय से हालात सही नही है लेकिन अब कोंग्रेस की फुट ओर गुटबाजी का फायदा जरूर भाजपा को मिलता नजर आ रहा है।

तकनीक और खेल कौशल का अद्भुत प्रदर्शन, प्रदेश के कोटा ओपन विश्वविद्यालय सहित हरियाणा और उत्तरप्रदेश ने जीते गोल्ड

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

लेकसिटी में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के दूसरे दिन बुधवार को एमबी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी इंडोर स्टेडियम में आयोजित जूडो प्रतियोगिताओं में विभिन्न विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तकनीक और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। विभिन्न भार वर्गों में पुरुष एवं महिला वर्ग के प्रतिभागियों ने अपने-अपने मुकाबलों में एक से बढ़कर एक दांवपेंच लगाकर दर्शकों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया।

सुबह 10 बजे से शुरू हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों की चुस्ती, तकनीक और संतुलन देखने लायक रहा। जूडो मैट पर हुए त्वरित मूवमेंट, काउंटर अटैक और टैकल की रणनीतियों ने निर्णायकों को भी प्रभावित किया। कई मैच अंतिम सेकंड तक रोमांच से भरे रहे, जहां मात्र एक पॉइंट के अंतर से जीत-हार तय हुई। स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने बताया कि जूडो प्रतिस्पर्धाओं में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए सैकड़ों प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं,

जिससे मुकाबले अत्यंत उच्च स्तर के हो रहे हैं। खिलाड़ियों की तैयारी, फिटनेस और अनुशासन उल्लेखनीय है। आयोजन प्रभारी अधिकारी एवं यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि जूडो की प्रतियोगिताओं का गुरुवार को अंतिम दिन है। इसके साथ ही शुक्रवार 28 नवंबर से बीच वॉलीबॉल की प्रतिस्पर्धाएँ भी प्रारंभ हो जाएगी। बुधवार को बीच वॉलीबॉल में रेती बिछाने का कार्य पूर्ण होकर पोल एवं नेट लगा दी गई है तथा खेल मैदान पूर्ण रूप से तैयार हो चुका है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत लेकसिटी को जुडो, बीच वॉलीबॉल एवं कायकिंग की मेजबानी मिली है। कायकिंग की प्रतिस्पर्धाएं फतहसागर में 2 दिसम्बर से आयोजित होगी।

बुधवार को जुडो के पुरुष वर्ग में 73 किलोग्राम तथा 81 किलोग्राम भार वर्ग के मुकाबले आयोजित हुए। इसमें 73 किलोग्राम वर्ग में कोटा ओपन यूनिवर्सिटी के नीरज नैन को स्वर्ण पदक, पीटीआरएस विश्वविद्यालय के प्रियांशु नेताम को रजत पदक, सीसीएस यूनिवर्सिटी के अमित कुमार आईईएस यूनिवर्सिटी के विशाल जाट को कांस्य पदक मिला। इसी प्रकार 81 किलोग्राम भार वर्ग में एमजेपी विश्वविद्यालय रोहिलखण्ड उत्तरप्रदेश के सचिन कुमार सिंह को स्वर्ण पदक जीएनडी यूनिवर्सिटी के नितिन को रजत पदक एसजेजेटी यूनिवर्सिटी के मनजीत तथा एमजीएसयू यूनिवर्सिटी के मुकेश तर्द को कांस्य पदक मिला।

वहीं महिला वर्ग में बुधवार को 63 किलोग्राम भार वर्ग के मुकाबले आयोजित हुए इसमें महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी हरियाणा की प्रीति को स्वर्ण पदक, एसजीपी यूनिवर्सिटी की तन्वी बराड़ को रजत पदक, सीसीएस यूनिवर्सिटी की मेघा शर्मा तथा डी यू की प्रीति पी को कांस्य पदक मिला। पदक वितरण समारोह में अर्जुन अवार्डी अकरम शाह, चंडीगढ़ जुडो एसोशिएशन के सचिव शंभु सोनी, उदयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त राहुल जैन तथा जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

मेहमान खिलाड़ियों ने व्यवस्थाओं के प्रति जताया संतोष

खेलो इंडिया गेम्स प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए विभिन्न विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने प्रशासन द्वारा की किये गए प्रबंधों की प्रशंसा की। गोल्ड मेडल विजेता उत्तर प्रदेश के सचिन कुमार सिंह ने बताया कि उदयपुर आकर अच्छा लगा, सुविधाएं बेहतरीन मुहैया करवाई गई है, डाइट और भोजन के प्रबंध सराहनीय है। उदयपुर की खूबसूरती के बारे में महज सुना था यहां आए तो अपनी आंखों से निहारा। वही हनुमानगढ़ के एथलीट मनजीत ने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवा अधिक से अधिक खेलों की तरफ आए और अपना करियर बनाएं।

एसीबी ने तिलम संघ के जीएम को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

एमएसपी सेंटर रिन्यूअल के बदले मांगे थे 30 हजार रुपये

स्मार्ट हलचल | कोटा

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बारां टीम ने कोटा में तिलम संघ के महाप्रबंधक रमेश चंद्र बैरागी को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने एमएसपी सेंटर के रिन्यूअल के बदले यह रकम मांगी थी। एसीबी ने शिकायत पर छापा मारा और आरोपी के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।ट्रैप ऑपरेशन में एसीबी की टीम ने आरोपी को रिश्वत के लेन-देन के दौरान पकड़ा। आरोपी ने शिकायतकर्ता से रिन्यूअल प्रक्रिया को सरल बनाने के नाम पर रकम वसूली थी। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया।स्थानीय व्यापारियों ने एसीबी की कार्रवाई की सराहना की और कहा कि इससे सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। तिलम संघ के अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है। यह घटना जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती का संकेत है।

जोगणियां माता शक्ति पीठ अध्यक्ष जोशी का दिल्ली में हुआ इंडिया प्राइड पुरूस्कार से हुआ सम्मान

स्मार्ट हलचल| माण्डलगढ़

दिल्ली में आयोजित इंडिया प्राइड पुरस्कार समारोह में क्षेत्र प्रसिद्ध जोगणियां माता शक्तिपीठ अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी अध्यक्ष श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबन्ध एवं विकास संस्थान धारला तह. बेगूँ, जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरुस्कार पाने वाले श्री सत्यनारायण जोशी ने कहा कि यह सम्मान श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ संस्थान संस्थान के सभी सदस्यों, मार्गदर्शकों तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी माताजी के भक्तगणों -श्रद्धालुओं को समर्पित है। उधर जोगणियां माता शक्तिपीठ विकास सेवा संस्थान के सदस्यों-पदाधिकारियो व जोगणियां माता मंदिर से जुड़े सभी श्रद्धालुओं में श्री जोशी को मिले सम्मान को लेकर उत्साह की लहर है।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पोष्टिक अनाज योजना के तहत रोड शो का आयोजन

स्मार्ट हलचल| शाहपुरा

कृषि विभाग द्वारा संचालित 'खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पोष्टिक अनाज योजना' के अंतर्गत पंचायत समिति परिसर शाहपुरा से ब्लॉक स्तरीय रोड शो रथ को विधायक डॉ. लाला राम बैरवा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह जागरूकता रथ आने वाले दिनों में शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर किसानों और ग्रामीणों को मोटे अनाज (मिलेट्स) के महत्व, उपयोगिता और इसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी प्रदान करेगा। इस अवसर पर विधायक डॉ. बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पोषक अनाजों के उपयोग को बढ़ावा देने का उद्देश्य देश को स्वस्थ, निरोगी व आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज न केवल स्वास्थ्यवर्धक हैं, बल्कि किसानों के लिए बेहतर आर्थिक विकल्प भी साबित हो सकते हैं। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलनः 19 फरवरी को होगा आयोजित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर माली समाज विकास सेवा संस्थान की बैठक बुधवार को उपनगर पुर बजरंग पूरा स्थित संस्थान के कार्यालय परिसर में आयोजीत की गई। संस्था मीडिया प्रभारी राजकुमार गोयल ने बताया कि बैठक संस्थान अध्यक्ष भैरू लाल माली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संस्था द्वारा समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के तीन बार सफल आयोजन के पश्चात चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया। संस्था द्वारा माली समाज का चुतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 फरवरी 2026 को प्रस्तावित किया गया। चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन

उपनगर पुर में घाटी के बालाजी परिसर में माली समाज विकास संस्थान के नेतृत्व में 19 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष भैरू लाल माली ने बैठक को सम्बोधित करते हए कहा कि समाज को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के लिए वरदान है। सामूहिक विवाह के आयोजन आर्थिक विषमता को कम करने के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता को भी मजबूत करते हैं। बैठक में समाज के होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के लोगों से अधिक से अधिक जोड़ों का पंजीयन कराने का आग्रह किया। समाज के भामाशाहों से भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहयोग की अपील की । उन्होंने समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में संस्था के सदस्यों और भामाषाहो द्वारा तीन बार सफल संचालन एवं पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सम्मेलन के लिए पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर संस्था सरंक्षक रामस्वरुप माली,कैलाश चन्द्र माली, भंवर लाल सतरावला, सचिव शंकर लाल, उपाध्यक्ष प्रभु लाल, संगठन मंत्री नानू राम, प्रचार मंत्री भवानी राम, कालू राम, देवा लाल, नारायण लाल, कैलाश चन्द्र, लाल चंद, जमना लाल एवं संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर राजकीय महाविद्यालय छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजकीय महाविद्यालय में आज संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

एनएसएस प्रभारी विष्णु कुमार सोनी ने छात्र-छात्राओं को संविधान निर्माण की प्रक्रिया एवं उसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य गौरव चौधरी ने संविधान निर्माण के चरणों, संविधान निर्माता की भूमिका एवं 2025 की संविधान दिवस थीम 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

हिंदी विभाग की प्रोफेसर सुनीता देवी मीणा ने संविधान की प्रस्तावना एवं उद्देश्यिका के बारे में छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान संविधान दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें खुशी गौर ने प्रथम स्थान हासिल किया। भावना शर्मा द्वितीय एवं विशाल कुमार टॉक तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर लालचंद सैनी, मनीषा यादव, प्रेरणा दाधीच, हेमंत लोढ़ा, लैब असिस्टेंट निरमा बेरवा सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

लाडपुरा में गाजे-बाजे के साथ निकाली रथयात्रा, उमड़े श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल| लाडपुरा

बानोड़ा बालाजी के आचार्यत्व एवं शेषावतार कल्लाजी महाराज के सानिध्य में निकाली जा रही राम दिव्य रथ यात्रा के लाडपुरा चौराहे प्रवेश पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। श्री बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर विकास एवं प्रबंध संस्थान के अध्यक्ष नन्द किशोर सनाढ्य ने बताया कि श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ श्री 1008 आचार्यत्व एवं श्री 1008 शेषावतार श्री कल्लाजी महाराज के सानिध्य में श्री राम दिव्य रथ बुधवार को शाम 4:15 बजे श्री बालाजी मंदिर श्रीनगर से लाडपुरा चौराहे से श्री बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर लोगों ने स्वागत किया। वहीं ग्रामीणों ने गांवों में भी रथयात्रा पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की। लाडपुरा चौराहे पर बानोड़ा

बालाजी कैलाशचन्द्र शमां एवं यज्ञ आचार्य मदन लाल पंडित नारायण लाल द्वारा मंत्रोच्चार से शुभारंभ और देवनारायण मंदिर विकास एवं प्रबंध संस्थान के द्वारा रथ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। श्री बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर महोत्सव एवं पंच दिवसीय पंच कुण्डात्मक महायज्ञ कार्यक्रम में राम दिव्य रथ यात्रा

प्रवेश रहेगा। इस अवसर पर भगवान सुथार, दिनेश सिंह शक्तावत, मोडू माली, मोहन सिंह शक्तावत, शंभू धाकड़, नंद गुर्जर भोपा, कैलाश चंद सोडाणी, कालू सुथार पटेल, सहित कई ग्रामवासी मौजूद थे।

तीन सौ रुपए रोज़ का टेलर बना सरपंच तो पांच साल में बन गया करोड़ पति

ग्राम विकास अधिकारी व सरपंच की मिली भगत, घोटाले ही घोटाले

स्मार्ट हलचल

झालावाड़। जिले के झालरापाटन ग्राम पंचायत गिरधर पुरा का सरपंच मोहन लाल मीणा आज़ से ठिक छः साल पहले नगर में कपड़े सीने का कार्य करता है कहते हैं कि नरेगा के श्रमिक से भी कम आय थी। किस्मत बदली सरपंची हाथ लगी तो विकास के पैसे से चकाचौंध आंखें ऐसी पदराई की भ्रष्टाचार के रास्ते पर निकल पड़ा।

जिस जनमत ने मुखिया बनाया उन के हक पर डाका डालकर ऐशो आराम की दुनिया में सबसे आगे निकल गया।

सुत्रो व ग्रामीणो से प्राप्त जानकारी अनुसार श्मशान से नयागांव की ओर गांव गिरधर पुरा में पुलिया निर्माण कार्य में टाइट अन टाइट फंड से छः लाख चालीस हजार रुपए का भुगतान किया गया और श्रम कार्य से नरेगा से करीब तीन लाख रुपए का भुगतान किया गया। दस लाख रुपये का विकास कार्य देखें तो पुलिया में बिना नीम सीम के करीब पचास फूट दिवार बनाकर बीच में मिट्टी डालकर ऊपर बड़े बड़े पत्थर डालकर ग्रामीणो के गिरने पड़ने जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी। पुलिया के ऊपर किसी भी प्रकार की डी सी पी ,इन्टरलाकिग की नहीं गई,तीन पानी निकासी के मौखे लगा कर पुलिया को भ्रष्टाचार की आग में झोंक दिया।

गांव वालों ने बताया दिवार निर्माण में जिन पत्थर का इस्तेमाल किया गया वो माधोपुर व गांव में अतिक्रमण से हटाये गये है जिनका बिल बनाकर राजस्व का भारी नुक़सान पहुंचाया गया है। गांव वालों ने बताया की बरसात के समय पुलिया के ऊपर से पानी निकलता है तो पुलिया में डाले गये नुकीले पत्थरों से ग्रामीण चोटिल होते रहते हैं आगे भी बड़ी दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। नियमानुसार इस्टीमेट को देखें तो पुलिया बिना डीपीसी व खरजे के नहीं छोड़ा जा सकता।

जानकार ग्रामीणो ने बताया की पुलिया में लगने वाली सामग्री जिसके कार्य का नाम इंटर लाकिग रोड मय नाली निर्माण पुलिया से रतन लाल के खेत तक जिसका भुगतान पांच लाख रुपए टाइट अन टाइट फंड से भुगतान किया गया। जहां इन्टर लाकिग कार्य हुआ है वो मात्र एक डेढ़ लाख से ज्यादा का नहीं है न ही कोई आबादी है। जिस पर क़रीब पन्द्रह लाख रुपए अपने चेहतो को खुश करने के भ्रष्टाचार करने में सफलता हासिल कर ली। दुसरा कार्य देखें तो पुलिया निर्माण भेरु लाल जी के खेत से बालचन्द के खेत तक जिसका प्रधान कोष पंचायत समिति मद के पांच लाख रुपए का भुगतान किया गया जिसका भोतिक सत्यापन हो तो पुलिया में एक मौखा रखा गया है और पन्द्रह फिट की दो दिवारे चुनवाई गयी है एक लाख के कार्य के एवज में पांच लाख रुपए उठाये गये है। गांव वालों ने बताया कि इसी राशि में से सरपंच ने अपने खेत पर नीजी मकान बनाया है। पुरे कार्यकाल के दौरान सरपंच ने अपने नीजी फाइदे के लिए अपने खेत में जाने के लिए एक पुलिया बनाई गई जबकि ग्रामीणौ के खेतों में जाने के रास्तों में आज भी कोई पुलिया का निर्माण नहीं करवाया है। सही मायने में तो कपड़ों पर टांके लगाने में पारंगत अब ग्राम विकास अधिकारी से मिली भगत कर जनता की सुविधाओं को रोदकर विकास कार्यों पर भ्रष्टाचार के टांके लगा कर सरकारी धन जो जनता का है उसे हज़म कर रहा है। देखते है उच्च पदों पर आसीन अधिकारी व मंत्री मदन दिलावर कौनसी एजेंसी से जांच करवाते हैं।

ईवी शोरूम में भीषण आग: 50 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक जलकर राख

स्मार्ट हलचल | कोटा

कोटा के एक इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया, जिसमें 50 से अधिक स्कूटर और बाइक जलकर खाक हो गईं। आग सुबह के समय लगी और घंटों की मशक्कत के बाद दमकल टीम ने इसे बुझाया। शोरूम मालिक ने लाखों रुपये का नुकसान बताया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।आग शोरूम के चार्जिंग एरिया से शुरू हुई, जो तेजी से पूरे भवन में फैल गई। स्थानीय दमकल टीम ने दो गाड़ियां भेजीं और आसपास के वाहनों को बचाया। शोरूम मालिक ने कहा कि ईवी बाजार में यह बड़ा नुकसान है, और जांच में शॉर्ट सर्किट की पुष्टि हो रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच सुरक्षा मानकों पर सवाल उठे हैं।नजदीकी दुकानों के मालिकों ने त्वरित राहत कार्य की सराहना की, लेकिन मांगा कि ईवी शोरूमों के लिए सख्त सुरक्षा नियम लागू हों। जिला प्रशासन ने जांच समिति गठित की है। यह घटना ईवी सेक्टर को झटका है।

सऊदी अरब से मृत्यु के 14 दिन बाद भी राजस्थान के रमेश का शव नहीं भेजा जा रहा भारत

राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा ने राष्ट्रपति सचिवालय में दायर की याचिका

दिवंगत देह को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिये तत्काल परिवार के पास भारत लाने की मांग

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राजस्थान के निवासी भारतीय नागरिक रमेश कुमार मेघवाल की 13 नवंबर 2025 को सउदी अरब में अकस्मात मृत्यु के बाद अभी तक 14 दिन बाद भी सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिये दिवंगत देह को भारत नहीं भेजा गया है। स्व.रमेश कुमार मेघवाल की दिवंगत देह को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए तत्काल परिवार के पास भारत लाने के लिये विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिये कार्य करने वाले राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रपति सचिवालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम याचिका दायर की है।वहीं विदेश मंत्रालय में विदेश मंत्री एस जयशंकर के नाम भी अधिकृत शिकायत दर्ज करवायी है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में भी मामला दर्ज हो गया है।

13 नवम्बर को 19 वर्ष की अल्पायु में हुयी थी मृत्यु

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के बालोतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र मेघवालो की ढाणी सोहड़ा तहसील गिड़ा के निवासी 19 वर्षीय युवा रमेश कुमार मेघवाल की 13 नवंबर को सऊदी अरब में रियाद क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मृत्यु हो गयी है। परिवार के सदस्यों की 13 नवंबर को भी रमेश कुमार से बात हुयी थी। 13 नवंबर के बाद से रमेश कुमार का मोबाइल बंद आ रहा था। घटना के चार दिन बाद 17 नवंबर को परिवार को रमेश कुमार की मृत्यु की दुखद सूचना मिली।

परिवार के लिए एक-एक पल काटना मुश्किल

19 वर्ष की अल्पायु में अपने गरीब परिवार के पालन पोषण का सपना लेकर सऊदी अरब गए रमेश कुमार मेघवाल की मृत्यु से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृत्यु के 14 दिन बाद भी सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिये दिवंगत देह को परिवार के पास भारत नहीं भेजने से परिवार के सदस्यों का एक-एक पल काटना मुश्किल हो रहा है। मंगलवार रात रमेश कुमार मेघवाल के रिश्तेदार बालोतरा निवासी धनराज मेघवाल ने इस मामले में विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता की करने वाले बूंदी निवासी राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा से मदद मांगते हुए सारे घटनाक्रम की जानकारी दी। जिसके पास शर्मा ने इस मामले में नई दिल्ली विदेश मंत्रालय में संपर्क करते हुये कार्यवाही शुरू की।

वृद्ध माता-पिता व चार बहिनों के भविष्य का सपना लेकर गया था सऊदी अरब

हायर सेकेंडरी में विज्ञान संकाय में लगभग 90% अंक प्राप्त करने के बाद भी पारिवारिक परिस्थितियों से मजबूरी में रमेश कुमार मेघवाल अपने गरीब वृद्ध माता पिता के साथ अपनी चार बहनों के सुनहरे भविष्य का सपना लेकर विगत 11 अक्टूबर को ही एक एजेंट के माध्यम से रोजगार के लिए सऊदी अरब गया था। लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था और 13 नवंबर को संदिग्ध परिस्थितियों में सऊदी अरब में ही रमेश कुमार की मृत्यु हो गयी। अभी तक मृत्यु के कारणो का भी खुलासा नहीं किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कानूनो की पालना की जायेथ

विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक बूंदी के कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने कहां कि 14 दिन से भारतीय युवा रमेश कुमार मेघवाल की दिवंगत है को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए भारत नहीं भेजना अंतरराष्ट्रीय कानूनो का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि सऊदी सरकार को अंतरराष्ट्रीय कानून की पालना करते हुए तत्काल दिवंगत देह को सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए परिवार के पास भारत भेजना चाहिये।शर्मा ने कहा कि इस मामले में सऊदी सरकार को पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देना चाहिये।

पूर्व मंत्री स्वर्गीय भरतसिंह की पत्नी मीना कवर के खिलाफ एसीबी में झूठा मुकदमा दर्ज करने का किया विरोध

स्मार्ट हलचल

सांगोद। स्वर्गीय पूर्व मंत्री भरतसिंह जी कुंदनपुर की पत्नी मीना कुमारी के खिलाफ एसीबी में भ्रष्टाचार वह धोखाधड़ी की धाराओं में झूठा मुकदमा दर्ज करने के विरोध में पूर्व मंडल अध्यक्ष असरार अहमद के नेतृत्व में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल के नाम सांगोद अखण्ड कार्यालय पर तहसीलदार जतिन दिनकर को ज्ञापन दिया पूर्व मण्डल अध्यक्ष असरार अहमद पूर्व नगर अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत सत्यप्रकाश तिवारी बंटी मीणा सलीम अंसारी ने बताया कि स्वर्गीय पूर्व मंत्री भरतसिंह कुंदनपुर ने पंच,सरपंच,प्रधान व मंत्री रहते हुए बिना भेदभाव के कई विकास के कार्य किए है जिसे सांगोंद विधानसभा क्षेत्र में देखे जा सकते हैं यहां तक कि उन्होंने अपनी पुश्तैनी15 बीघा से अधिक जमीन हॉस्पिटल, पंचायत भवन, पार्क वह रास्ते के लिए कुंदनपुर में जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दान करी है अब ऐसे में उनकी पत्नी मीना कंवर के खिलाफ कुंदनपुर सरपंच रहते हुए गलत तरीके से आवासीय पट्टे जारी करने का एसीबी में झूठा मुकदमा दर्ज करवाया है उसके विरोध में सांगोद क्षेत्रवासियों ने पूर्व मंडल अध्यक्ष असरार अहमद के नेतृत्व में राजस्थान के राज्यपाल के नाम उपखंड कार्यालय पर तहसीलदार जतिन दिनकर को ज्ञापन सौंपकर इस झूठे मुकदमे को समाप्त करने की मांग की है क्योंकि स्वर्गीय भरतसिंह कुंदनपुर ने महात्मा गांधीजी के आदर्श व सिद्धांतों पर चलते हुए अपना सामाजिक व राजनीतिक जीवन जिया है जिन्होंने हमेशा अवैध खनन वह भ्रष्टाचार के खिलाफ कई आंदोलन कर जनता की आवाज़ को उठाया है ऐसे में एसीबी मे झूटा मुकदमा दर्ज दर्ज करवाना उनके परिवार को बदनाम करने की साजिश है लोगों को पट्टे देने के आदेश राज्य सरकार द्वारा दिए गए थे जो पूरे राजस्थान में भी दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत अभियान चलाकर बरसों से ग्रामीण क्षेत्र में स्थायी निवास करने वाले लोगों को पट्टे दिए गए हैं इसलिए पूर्व मंत्री स्वर्गीय भरत सिंह कुंदन पुर की धर्म पत्नी नीना कवर जी पर लगाए गए झूठे मुकदमे को समाप्त कर राजस्थान की जनता को सही संदेश दिया जावे यदि झूठा मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो आने वाले समय में पूरे राजस्थान में बड़ा जन आन्दोलन किया जाएगा ज्ञापन देने वालों मे फ़िरोज़ पठान ब्रजराज मीणा मुजाहिद बेग दिनेश सोनी इसराइल अंसारी मुकेश गोड डॉक्टर अनीस अंसारी गजेंद्र सिंह रफीक मियारगीर प्रभुलाल सुमन शरीफ टेलर भवानी शंकर रेगर लियाकत शाह अमजद अंसारी एफ़ाज हुसैन सोनू गौतम जाकिर टिल्लू भाया गोचर सिराज रंगरेज़ निसार पठान शब्बीर हुसैन तारिफ पठान बशीर अहमद इकबाल सिंगीवाला कमल मीणा शाकिर टेलर रमाकांत कुशवाहा ताहिर अंसारी इंसाफ अंसारी अर्शील खान बालकिशन मीणा बरकत अंसारी दिलदार सिंह साजिद खान सनावर अंसारी विजय वाल्मीकि इंसाफ हुसैन उर्फान अंसारी जाहिद हुसैन समेत बड़ी संख्या में सांगोद क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर अम्बेडकर के विचारों पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय में बुधवार को संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई। इसके बाद कॉलेज की छात्राओं को संविधान की शपथ दिलाई गई तथा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन कराया गया। संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की स्मृति में देश की आजादी के बाद डॉ. अम्बेडकर के सिद्धांतों और विचारों का व्यवहारिक क्रियान्वयन विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राज्य स्तर और जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउंडेशन मूंडला जयपुर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और डॉ. अम्बेडकर के संविधान निर्माण में योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

सम्मेद शिखर यात्रा से लौटे सदस्यों का फ्रेंड्स ग्रुप ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल| बारां

बारां फ्रेंड्स ग्रुप में मंगलवार का दिन खास रहा, जब क्लब के सदस्य सम्मेद शिखर जी सात दिवसीय पावन तीर्थ यात्रा पूर्ण कर वापस लौटे। उनके लौटने पर ग्रुप के सभी सदस्यों ने हर्ष और उत्साह के साथ उनका भव्य स्वागत किया। ग्रुप की सभी सदस्यों ने बबित जैन, नूपुर जैन और रिद्धि जैन को कुमकुम लागकर व मोतियों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया और यात्रा पूर्ण होने पर शुभकामनाएँ दीं।

समेद शिखर जी की यह यात्रा आध्यात्म और श्रद्धा से ओतप्रोत रही, जिसकी वापसी पर ग्रुप में सौहार्द और खुशी का माहौल देखने को मिला। सदस्यों ने बताया कि ऐसे धार्मिक यात्राएँ समाज में सकारात्मकता फैलाती हैं और ग्रुप के लिए भी गर्व का विषय हैं। इसी मौके पर ग्रुप के उन सदस्यों का भी सम्मान किया गया, जिनकी शादी की सालगिरह हाल ही में संपन्न हुई। सभी सदस्यों ने मिलकर वर्षगांठ की बधाइयाँ दीं और माला पहनाकर शुभेच्छाएँ व्यक्त कीं। कार्यक्रम के दौरान मिठाई वितरण के साथ माहौल आत्मीयता और उत्साह से भरा रहा। बारां फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्यों अमित जैन, संदीप जैन, नीरज जैन, अंकित जैन, बबित जैन, धर्मेश जैन , मुकेश जैन, मनीष जैन, अनिता जैन, वंदना जैन, प्रतिभा जैन, चिराग्नि जैन, नूपुर जैन, डोली जैन, निशा जैन, सारिका जैन व अन्य सदस्यों ने बताया कि क्लब समय-समय पर ऐसे मिलन कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, दिसम्बर माह में एक साथ 6 सदस्यों का जन्मदिन मनाया जाएगा जिससे सदस्यों के बीच आपसी संवाद, सौहार्द और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है। आज का आयोजन भी इसी श्रृंखला का हिस्सा रहा, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बाबा मनोहर दास की 67 वीं पुण्यतिथि:मंदिर से भव्य कलश यात्रा

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कथावाचक आचार्य हरिशंकर शुक्ला

स्मार्ट हलचल| वैर

वैर में बहुत ही प्राचीन विख्यात मंदिर श्री श्री 1008 बाबा मनोहर दास की 67वीं पुण्यतिथि पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा मंदिर से प्रारंभ की गई कलश यात्रा सीताराम जी के मंदिर से होते हुए गोपाल जी के मंदिर पुराना थाना होते हुए नगाइच मोहल्ला नयावस स्टैंड होते हुए मंदिर पर प्रस्थान किया। इसके साथ ही मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भी शुभारंभ हुआ। यह मंदिर बहुत ही विख्यात एवं प्राचीन बाबा मनोहर दास की कुटिया पर भी पंडित जीतू शर्मा ने हवन करके भक्तों शशिकांत शर्मा अजीराम , आदि के द्वारा आरती की गई, सभी को पैठे का प्रसाद वितरित किया। मंदिर पर कथावाचक आचार्य हरिशंकर शुक्ला द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जाएगा।भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश भी डाल पंडित दीनदयाल शर्मा यजमान की भूमिका निभा रहे है ।जबकि मंदिर के महंत सियाराम दास ने नेतृत्व में पूरे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाबा मनोहर दास की तपोभूमि धुना पर भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । अवसर पर यादराम शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, नीरज गर्ग, गोपाल पर्ता, छैल बिहारी गोयल, राधे जिंदल, बनवारी दत्तात्रेय ,मुकेश जैन ,विशिष्ट मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा कलश यात्रा में साथ, जिसमें सभी गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत मिशन: राज्य स्तरीय टीम का औचक निरीक्षण

15 दिसंबर तक गांवों को कीचड़ मुक्त बनाने के निर्देश, रात में चौपाल लगाकर जानी समस्याएं

स्मार्ट हलचल| बूंदी

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत गांवों में चल रही सफाई व्यवस्था और निर्माण कार्यों की हकीकत जानने के लिए मंगलवार को जयपुर से आई राज्य स्तरीय टीम ने बूंदी जिले का दौरा किया। टीम ने हिंडोली पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मांगलीकलां और गोठड़ा में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सफाई केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर दिखनी चाहिए। निरीक्षण से पूर्व राज्य स्तरीय अधिकारियों ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ष्टश्वह्व) रवि वर्मा के साथ बैठक कर जिले की स्वच्छता कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

राज्य स्तरीय प्रभारी अधिकारी नवल किशोर सैनी और निदेशालय के स्वच्छता विशेषज्ञ सौरभ शर्मा ने फील्ड में उतरकर एक-एक गतिविधि को परखा। टीम ने गांवों में साफ-सफाई, बीएसआर सैनिटेशन एक्टिविटीज, सामुदायिक स्वच्छता कॉम्प्लेक्स (ष्टस्ष्ट), सोख पिट, लीच पिट, मैजिक पिट और कचरा संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों और ग्राम पंचायत भवनों में बने शौचालयों की क्रियाशीलता जांची। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि सरकार द्वारा निर्मित परिसंपत्तियों का उपयोग हो रहा है या वे बंद पड़ी हैं।

डेडलाइन तय: 15 दिसंबर तक पूरा करना होगा टारगेट

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों का रुख सख्त नजर आया। उन्होंने ग्राम विकास अधिकारियों (ड्ढष्ठह्व) और सरपंचों को ताकीद करते हुए कहा कि 15 दिसंबर तक तरल कचरा प्रबंधन और सोख पिट निर्माण के लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाएं। अधिकारियों ने मौके पर ही सोख पिट और मैजिक पिट की आवश्यकता का तकनीकी आंकलन किया और निर्देश दिए कि साप्ताहिक मॉनिटरिंग कर गांवों को पूरी तरह 'कीचड़ मुक्त' और 'कचरा मुक्त' बनाया जाए। उन्होंने कहा कि कचरा संग्रहण केंद्र ("ष्ट) का क्रियाशील होना अति आवश्यक है, ताकि ठोस कचरे का सही निस्तारण हो सके।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों को समझाया स्वच्छता का गणित

निरीक्षण के बाद ग्राम पंचायत गोठड़ा में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जो देर रात तक चली। यहां अधिकारियों ने एडवोकेसी करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों और लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी, जनप्रतिनिधि, संवेदक और ग्रामीण जब आपसी समन्वय से काम करेंगे, तभी गांव में 'प्रत्यक्ष दृश्यमान स्वच्छता' स्थापित हो सकेगी। चौपाल में ग्रामीणों की स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी सुनी गईं।

मौके पर दी ट्रेनिंग

राज्य स्तरीय टीम ने केवल कमियां नहीं निकालीं, बल्कि मौके पर ही ट्रेनिंग भी दी। उन्होंने सरपंचों और वार्ड पंचों को बताया कि किस भौगोलिक स्थिति में सोख पिट बनाना है और कहां मैजिक पिट कारगर रहेगा। ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के तकनीकी पहलुओं को आसान भाषा में समझाया गया। निरीक्षण के दौरान जिला परिषद से डीपीसी निजामुद्दीन, एमएंडई शिवराज मीणा, ब्लॉक समन्वयक राकेश शर्मा मौजूद रहे। वहीं स्थानीय स्तर पर मांगलीकलां सरपंच हेमराज गुर्जर, वीडीओ देवेंद्र गोड़, गोठड़ा सरपंच राखी झंवर, सरपंच प्रतिनिधि ईश्वर झंवर, वीडीओ फूंदीलाल सैनी, संवेदक सूरजमल, बंसीलाल गुर्जर, वार्ड पंच सलाम मोहम्मद, प्रकाश सैनी समेत कई सफाईकर्मी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

आकोदिया में पांच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हुआ संपन्न

स्मार्ट हलचल । सुनेल

क्षेत्र के आकोदिया में नवनिर्मित श्री देवनारायण भगवान मंदिर पर मूर्ति महाभिषेक एवम जीर्ण मूर्ति प्राण प्रतिष्ठापन कर्म पांच दिवसीय महायज्ञ कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत भक्तिमय कलश यात्रा के साथ शनिवार को शुरू हुई थी । पुजारी कृपाराम गुर्जर पंडा ने बताया कि बुधवार को आकोदिया में नवनिर्मित देवनारायण मंदिर पर देवनारायण भगवान और साडू माता जी की मूर्ति के महाभिषेक की शुरुआत हुई जिसके यज्ञाचार्य पंडित मांगीलाल शर्मा रहे ।

गुरु महाराज कारू पंडा ने बताया कि पांच दिन तक चलने वाले मूर्ति महाभिषेक में पंडितो द्वारा मूर्तियों को पंचामृत द्वारा अभिषेक कर मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई जो 26 नवम्बर को पूर्ण होकर बुधवार को देवनारायण मंदिर में स्थापित की गई साथ ही देवनारायण भगवान का गांव में भ्रमण कर विशाल जुलूस का आयोजन किया गया अंत में भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम से गांव में धर्ममय माहौल हो गया।

एक भी व्यक्ति का वोट ना काटे यही सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी-प्रदीप नरवाल

स्मार्ट हलचल | सहारनपुर

आज अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव प्रदीप नरवाल सहारनपुर पहुंचे जहां उन्होंने महानगर कांग्रेस कार्यालय पर पहले प्रेस के साथियों से वार्ता की और उसके पश्चात एस आई आर के संदर्भ पर जिला मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर के कांग्रेस पदाधिकारी एवं प्रभारी से विस्तार से बात की ।

प्रेस से वार्ता करते हुए राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश से प्रारंभ होकर महाराष्ट्र, हरियाणा से बिहार पहुंचे वोट चोरी ने चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी के असंवैधानिक गठबंधन की पोल खोल दी । प्रदीप नरवाल ने कहा कि आज चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के लिए एक बिके हुए मैच अंपायर की तरह कार्य कर रहा है, जिससे सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय लोकतंत्र को हो रहा है । उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25 लाख वोटो की चोरी के मॉड्यूल पर चलकर भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में वोट चोरी की और भाजपा व चुनाव आयोग का एकमात्र मकसद यह है कि एस आई आर के जरिए दलितों, अल्पसंख्यकों व गरीबों के वोट काटकर उन्हें मताधिकार से वंचित कर देश में संपूर्ण सत्ता पर कब्जा किया जाए । प्रदीप नरवाल ने कहा कि हम कांग्रेसजन बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के संविधान और भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के प्रति कृतसंकल्पित है। नरवाल ने कहा कि इस संघर्ष के दौरान हम महात्मा गांधी और पंडित जवाहर लाल नेहरू के सिद्धांतो का अनुसरण करतें हुए अपने मिशन में सफलता प्राप्त करेंगे ।

राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि आज जहां एक ओर हमारा भारतीय लोकतंत्र अस्सी के दशक के मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन सेशन पर गर्व महसूस करता है, वहीं दूसरी ओर वर्तमान चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

के व्यवहार ने चुनाव आयोग को सरकारी तंत्र की कठपुतली बना दिया है । प्रदीप नरवाल ने कहा की 2022 में जब राज-स्थान सरकार ने बजट पास करके महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं को मोबाइल फोन दिये, तो चुनाव आयोग ने 2023 में चुनाव से पहले सरकार को ऐसा करने से रोक दिया और इसे यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना, लेकिन हाल ही में बिहार में मतदान के एक दिन पहले भी एनडीए सरकार ने बिहार की गरीब महिलाओं के खाते में 10000 जमा कार्य और भाजपा के 'वोट के बदले नोट' का जो रिश्वत का कार्यक्रम चलाया उस पर चुनाव आयोग की चुप्पी भाजपा और चुनाव आयोग के असंवैधानिक गठबंधन का प्रत्यक्ष प्रमाण है ।

प्रेस वार्ता के बाद उन्होंने विभिन्न जनपदों के जिला अध्यक्ष महानगर अध्यक्षों प्रभारी आदि से मुलाकात की और फिर के मुद्दे पर कुछ जरूरी दिशा निर्देश दिए ।

इस अवसर जिला अध्यक्ष संदीप सिंह राणा, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, प्रभारी पूर्व मंत्री दीपक कुमार ने कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ताओं को कर्मठता के साथ भाजपा के वोट चोरी के मंसूबों को असफल करने के लिए कहा । बैठक में मुजफ्फरनगर से आरिफ अब्दुल्ला, मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष सतपाल कटारिया, सुबोध शर्मा, डॉक्टर मुर्तजा सलमानी जिला उपाध्यक्ष, बिल्किस चौधरी, काज़ी गुफरान, महफूज राणा, सतीश सहरावत, मेरठ से जिला अध्यक्ष गौरव भाटी, सैयद रेहानुद्दीन, कामिल कुरैशी, इमरान सैफी व शामली से शामली से ओम प्रकाश शर्मा, बाबू खान, नवनीत भारद्वाज कॉर्डिनेटर सहारनपुर पहुंचे । इस अवसर पर पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मेहरबान आलम, पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी मुजफ्फर अली, पूर्व प्रदेश सचिव अशोक सैनी, प्रवीण चौधरी, सत्यम भूरियांन सैनी, राहत खलील, जिला प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेंद्र शर्मा, सेवादल जिला अध्यक्ष इमरान कुरैशी, महानगर सेवादल अध्यक्ष अनुज शर्मा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव वर्मा, जिला महिला अध्यक्ष श्रीमती श्वेता सैनी, सतपाल बर्मन, सचिन कंबोज, जिला उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी नितिन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रशासन प्रभारी वरुण शर्मा, पूर्व पार्षद सरदार चंद्रजीत सिंह निक्कू, प्रभजीत सिंह, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष मनीष सहगल, हरिओम मिश्रा, वीरसैन उपाध्याय, अमरदीप जैन, नीरज कपिल, इकराम खान, मधु सहगल, आरिफ मंसूरी, शहनाज बेगम, शर्मिष्ठा सिंह, नसीब खान आदि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपजिला अस्पताल के डॉ. ऋतुराज मीणा बने पीएमओ

कहा- मरीजों को बेहतर सुविधाएं देना होगी प्राथमिक प्राथमिकता

स्मार्ट हलचल

चाकसू राजकीय उप जिला अस्पताल चाकसू में कार्यरत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋतुराज मीणा को अस्पताल प्रभारी पीएमओ के पद पर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद डॉ. मीणा ने कहा कि अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत बनाने तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अस्पताल के संचालन में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और मरीजों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए नई पहलें शुरू की जाएंगी।

डॉ. मीणा ने कहा कि उपजिला अस्पताल की पूरी टीम के सहयोग से सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास रहेगा, ताकि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य

योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपचार उपलब्ध कराना उनकी मुख्य जिम्मेदारी होगी।नियुक्ति पर अस्पताल की टीम, जनप्रतिनिधियों और कस्बेवासियों ने डॉ. मीणा का साफा पहनाकर, माला व मुंह मीठा कराकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान अस्पताल के सभी डॉक्टर्स व स्टाफ ने भी उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

आयुक्त कार्यालय एवं कलेक्ट्रेट में दिलाई गयी संविधान की शपथ

स्मार्ट हलचल | सहारनपुर

''संविधान दिवस'' के अवसर पर मण्डलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार द्वारा आयुक्त कार्यालय में एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा कलेक्ट्रेट में सभी अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई।

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढाने के लिए दृढ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में तारीख 26 नवम्बर 1949 ई0 मिति मार्ग शीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है। मण्डलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान को 26 नवम्बर को अंगीकृत किए जाने के उपलक्ष्य में इस दिवस को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारा संविधान सर्वधर्म एवं सर्वसमाज को लेकर चलने वाला है। संविधान के माध्यम से ही देशवासियों को अधिकार एवं कर्तव्य मिले हुए है। हमारा देश प्रजातांत्रिक देश है। 26 नवम्बर 2025 को 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' विषय पर वर्ष भर चलने वाले समारोहों के समापन के रूप में मनाया जाना है और इस अवसर पर कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी जो संविधान में निहित लोकाचार और मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ करेंगी।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्व४२श१ पोर्टल पर डिजिटल रूप से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कराया जा रहा है। जनपद के समस्त स्कूल और कॉलेज भारत के संविधान को समर्पित विशेष सभाओं का आयोजन किया जाएगा जिनमें संविधान के अनूठे पहलुओं, संविधान की सभा की भूमिका एवं संविधान सभा में महिला सदस्यों के योगदान पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। समस्त स्कूलों, पंचायतों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर संविधान की प्रस्तावना की वॉल पेन्टिंग बनाई जाएगी।

इस अवसर पर आयुक्त कार्यालय में अपर आयुक्त भानू प्रताप यादव, अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव, प्रशासनिक अधिकारी कर्णपाल सहित अन्य कार्मिक तथा कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री संतोष बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सलिल कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राम आसरे सहित समस्त उपजिलाधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 रुपए कुंतल कराने तक संघर्ष जारी रहेगा:भगत सिंह वर्मा

मंडल की 19 चीनी मिलों पर 755 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया

स्मार्ट हलचल | सहारनपुर

अन्नदाता किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल मंडल आयुक्त डॉक्टर रुपेश कुमार से मिला। उनसे मिलकर प्रधानमंत्री के नाम किसानों व आम जनता की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सोपा।

भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसके बावजूद भी देश के अन्नदाता किसान कर्ज बंद होकर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर सरकार लागत मूल्य भी नहीं दिला पा रही हैं। गन्ना उत्तर प्रदेश की मुख्य फसल है नगदी फसल है। डॉ एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार ष्ट2 + 50% के अनुसार गन्ने का लाभकारी मूल्य 825 रुपए कुंतल बैठता है। प्रदेश सरकार ने

गन्ने का 30 रेट बढ़ाकर ऐसे प्रचार किया है कि गन्ना किसान बिल्कुल मालामाल हो जाएंगे। साथ में 3 किराया प्रति कुंतल बढ़ा दिया है। जो गलत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि शुगर कंट्रोल ऑर्डर 1966 के अनुसार जिन चीनी मिलों पर गन्ना भुगतान व ब्याज बकाया है उन्हें गन्ना किसानों से दुलाई किराया काटने का कोई अधिकार नहीं है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि मंडल की 19 चीनी मिलों पर 755 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज 1800 करोड रुपए बकाया चल रहा है। जिले की 7 चीनी मिलों पर इस वर्ष का 221 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। और जिले की चीनी मिलों पर पिछले वर्ष का भी 93 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। जिसका भुगतान करने के लिए प्रदेश सरकार गन्ना विभाग जिला प्रशासन मौन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग की कि देश के अन्नदाता किसानों के सभी कर्ज समाप्त किए जाएं। किसानों को उनकी फसलों के लाभकारी मूल्य दिलाए जाए। मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराई जाए। बुजुर्ग किसानों को वृद्धावस्था पेंशन दिलाई जाए। राष्ट्रीय किसान आय आयोग का गठन किया जाए। गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य 700 कुंतल दिलाया जाए। चीनी मिलों से बकाया गन्ना भुगतान व ब्याज गन्ना किसानों को तत्काल दिलया जाए। चीनी मिलों के कांटों में हो रही घटतौलि को तत्काल रोका जाए। शिक्षा और चिकित्सा सभी के लिए निशुल्क की जाए। सभी सड़कों व हाईवे से टोल टैक्स समाप्त कराया जाए। राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अशोक मलिक ने कहा कि देश के अन्नदाता किसानों की क्रय शक्ति बढ़ाने से ही देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि घटतौली करने वाले चीनी मिलों के मालिकों को जेल भेजा जाए। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी राष्ट्रीय संरक्षक रामचंद्र गुर्जर प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल प्रदेश मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी ओंकार सिंह एडवोकेट शामिल रहे।

आतंकियों से जुड़े चेहरों को बेनकाब करने के लिए शाहीन को कानपुर लाने की तैयारी

स्मार्ट हलचल | कानपुर

दिल्ली विस्फोट के बाद आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के आरोप में पकड़ी गई डॉक्टर शाहीन को अब कानपुर लाकर भी पूछताछ किए जाने की तैयारी है ,जिसके फलस्वरूप कुछ और चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं । शाहीन पहले कानपुर मेडिकल कॉलेज में भी रह चुकी है और उसके यहां अनेक लोगों से संबंध भी है । उसका पूर्व पति भी कानपुर में ही रहता है।

सूत्रों ने बताया कि इसीलिए पूछताछ के लिए शाहीन को लखनऊ और सहारनपुर के साथ ही कानपुर भी लाए जाने की तैयारी है ,जिसके लिए खुफिया भी लगातार सतर्क है। एन आई ए की टीम उससे यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह लखनऊ, कानपुर व सहारनपुर में किन लोगों के संपर्क में थी और डॉ. परवेज को किसने कार खरीद कर दी थी। अवगत करा दें कि दिल्ली विस्फोट मामले में शाहीन की भूमिका अहम है। वह लंबे समय से डाक्टरों को आतंकी नेटवर्क के साथ जोड़ रही थी। इस काम में परवेज उसकी मदद करता था।

एन आई ए ने पूछताछ में अब तक जो जानकारी हासिल की है। उसके मुताबिक शाहीन जिन डॉक्टरों को आतंकी नेटवर्क में शामिल होने के लिए तैयार करती थी। उन्हें दुबई, थाईलैंड व अन्य देशों में ट्रेनिंग दी जाती थी। शाहीन के संपर्क में रहे ज्यादातर लोगों ने विभिन्न प्रकार के बम बनाने की भी ट्रेनिंग ली थी। इसके लिए जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शाहीन के संपर्क वाले डाक्टरों व अन्य आतंकियों की थी। वह खुद भी अगस्त में लखनऊ आई थी। फिलहाल लखनऊ और कानपुर से लेकर सहारनपुर तक के शाहीन के संपर्कों को खंगालने के लिए हद्ध की टीम उसे विभिन्न स्थानों पर लेकर जाएगी। अभी तक की पूछताछ में शाहीन से मिली जानकारी के आधार पर जल्द ही कुछ आतंकियों से जुड़े और चेहरों के भी बेनकाब होने की संभावना व्यक्त की गई है।

उनियारा में न्यायिक कर्मचारियों ने मनाया 75वां संविधान दिवस

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। बुधवार को तालुका विधिक सेवा समिति उनियारा में बड़े ही गरिमामय वातावरण में 75वां संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में समिति से जुड़े न्यायिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम की शुरुआत संविधान के उद्देशिका (प्रस्तावना) के सामूहिक वाचन के साथ हुई, जिसमें संविधान के मूल आदर्श - न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुत्व - के प्रति संकल्प दोहराया गया। उपस्थित कर्मचारियों ने भारतीय संविधान निर्माताओं के योगदान को स्मरण करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण एवं नागरिकों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर संविधान की महत्वता, नागरिक अधिकारों, विधिक जागरूकता तथा न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम के अंत में सभी न्यायिक कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे न्यायिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं विधि के शासन को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे।

पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने शपथ दिलाई

स्मार्ट हलचल| जयपुर

संविधान दिवस 2025 के अवसर पर पुलिस मुख्यालय, राजस्थान में पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करने तथा जनसेवा में इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। संविधान दिवस 2025 के अवसर पर पुलिस मुख्यालय, राजस्थान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस

महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों के प्रति सभी ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे संविधान में निहित मूल्यों को न केवल अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आत्मसात करेंगे, बल्कि जनसेवा के कार्यों में इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि संविधान की रक्षा और उसका सम्मान प्रत्येक पुलिस अधिकारी का परम कर्तव्य है। उन्होंने अधिकारियों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता जैसे सिद्धांतों के पालन के लिए प्रेरित किया, ताकि पुलिस जनसेवा में विश्वास और उत्कृष्टता कायम रख सके।

पेंशनर्स 30 नवंबर, 2025 तक जमा करवाएं जीवन प्रमाण–पत्र

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर/चूरू। राज्य सरकार ने राज्य पेंशनर्स के जीवन प्रमाण– पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 30 नवंबर, 2025 निर्धारित की है। कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंघल ने बताया कि चूरू जिले में 5683 पेंशनर्स ने जीवन प्रमाण –पत्र अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है, जिसके कारण उनकी माह दिसंबर, 2025 की पेंशन विभाग द्वारा जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स की सुविधा हेतु कोष एवं उपकोष कार्यालय में हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की जा चुकी है। इसलिए पेंशनर्स अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाइन अथवा कोष/ उपकोष कार्यालय में उपस्थित होकर जीवन प्रमाण पत्र अद्यतन करवा सकते हैं।

बार एसोसियेशन पुष्कर 2025-26 के वार्षिक चुनाव होंगे शीघ्र

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/अजमेर। बार एसोसिएशन पुष्कर के वार्षिक चुनाव वर्ष 2025-26 करवाये जाने हेतु साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर निष्पक्ष चुनाव करवाये जाने हेतु तीन सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया।

बार एसोसिएशन की साधारण सभा की बैठक बुधवार को बार सभागार में बार अध्यक्ष कुलदीप पाराशर की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने आगामी चुनाव करवाये जाने हेतु अपने विचार रखे। बैठक में बार अध्यक्ष पाराशर ने वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर निष्पक्ष चुनाव करवाये जाने हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस.के. चौधरी, सहायक निर्वाचन अधिकारी सन्दीप पाराशर व अरूण वैष्णव के नेतृत्व में तीन सदस्यीय चुनाव समिति का सर्व सम्मति से गठन किया गया। बार सदस्यों को आगामी 02 दिसम्बर तक वार्षिक शुल्क व वन बार वन वोट के तहत शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाने हेतु तिथि निर्धारित की गई। चुनाव समिति द्वारा चुनाव करवाये जाने हेतु आगामी कार्यक्रम निर्धारित किया जायेगा। साधारण सभा की बैठक में बार अध्यक्ष कुलदीप पाराशर, सचिव सन्दीप पाराशर, एस.के. चैधरी, एस.के. पाराशर, मुनेश तिवारी, श्याम पाराशर, रघु पारीक, महावीर भट्ट, लक्ष्मीनारायण पाराशर, पुष्कर नारायण पाराशर, अर्जुन सिंह राठौड़, सरफुद्दीन, अरूण वैष्णव, मदन सांखला, मुकेश सुनारीवाल, जगदीश चौधरी, भुवनेश पाठक, सुरेश कुमार पाराशर, प्यारेमोहन गुप्ता, अमित कुमार गौतम, चन्द्रमोलेश्वर पाराशर, विशाल पाराशर, नवनीत पाराशर, विनोद पाराशर, सुरेन्द्र परसोया, नोरतमल गुरावा, सुरेश दायमा, सुरभित पाराशर, सर्वेश्वर शास्त्री, रेखा पाराशर व बीरी रावत सहित अधिवक्तागण उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री और स्थानीय अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी देंगे 684.02 लाख अथवा 6.84 करोड़ से अधिक की सौगात, संसदीय क्षेत्र अजमेर और गृह क्षेत्र

किशनगढ़ में विकास कार्यों का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण, 6.84 करोड़ से अधिक की सौगात, संसदीय क्षेत्र अजमेर और गृह क्षेत्र

स्मार्ट हलचल

अजमेर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी 29 नवंबर 2025 को अजमेर संसदीय क्षेत्र के गृह क्षेत्र किशनगढ़ में पाँच प्रमुख स्थानों पर पहुँचकर विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी क्षेत्रवासियों को कुल 684.02 लाख (6.84 करोड़) से अधिक की विकास सौगात प्रदान करेंगे और इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का नया अध्याय जोड़ेंगे। किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर दो आधुनिक लिफ्टों का लोकार्पण

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी अपने कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे स्टेशन किशनगढ़ से करेंगे, जहाँ वे यात्रियों की सुविधा के लिए स्थापित दो आधुनिक लिफ्टों का लोकार्पण करेंगे। 2.49 करोड़ (249 लाख) की लागत से बनी ये लिफ्टें बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों को बड़ी राहत देंगी और स्टेशन को अधिक सुगम व सुलभ बनाएंगी।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सामुदायिक भवन एवं टिन शेड की सौगात

इसके बाद केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ग्राम पंचायत त्योद पहुँचकर पाँच सामुदायिक संरचनाओं– छोटा नरेना का सामुदायिक भवन,

त्योदखेडी ढाणी का खुला बरामदा, डूक्या ढाणी त्योद का खुला बरामदा, जुणदा श्मशान का टिन शेड तथा राजकीय विद्यालय त्योद का खुला बरामदा–का लोकार्पण करेंगे। प्रत्येक कार्य 5 लाख की लागत से पूर्ण हुआ है, जिन पर कुल 25 लाख व्यय हुआ है। ये सुविधाएँ ग्रामीण समाज की दैनिक जरूरतों और सामुदायिक गतिविधियों को मजबूत आधार प्रदान करेंगी।

बांदरसिंदरी को मिलेगा नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

इसके पश्चात कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी बांदरसिंदरी पहुँचकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण करेंगे। 107.52 लाख की लागत से निर्मित यह स्वास्थ्य केन्द्र आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए चिकित्सा सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार लाएगा।

दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास

केंद्रीय मंत्री एवं स्थानीय सांसद भागीरथ चौधरी इसके बाद दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे– हरमाड़ा से बुहारू तक 3 किमी सड़क, जिसकी लागत 135 लाख है। पाटन से नलू तक 4 किमी सड़क, जिस पर 167.50 लाख व्यय होगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित होने वाली इन दोनों सड़कों पर कुल 302.50 लाख खर्च होंगे, जिससे ग्रामीण कनेक्टिविटी और आवागमन व्यव-स्था में बड़ा सुधार आएगा।

विकास की यह श्रृंखला आगे भी जारी रहेगी

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि इन पाँचों स्थानों पर विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करना उनके लिए प्रसन्नता का विषय है और वे इसे क्षेत्र, जनता और अपने दायित्व के प्रति अपना कर्तव्य मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गृह क्षेत्र किशनगढ़ और संसदीय क्षेत्र अजमेर के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्यरत है तथा भविष्य में भी विकास की यह सौगात निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहेंगे।

निखारें चेहरा संवारें अपना भविष्य

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है।

खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रैंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठयक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?

फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए- 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।

ऑडियो इंजीनियरिंग

नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्युजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गई। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फ्रिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com